डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-148 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शुक्रवार, 24 जुलाई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

पंचायत चुनाव की आहट, अक्टूबर या नवंबर में हो सकते हैं चुनाव

यूनिक समय, मथुरा। प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव इस वर्ष अक्टूबर या नवंबर में कराए जाने की संभावना तेज हो गई है। शासन स्तर पर चुनाव की तैयारियों को गति दी जा रही है और पंचायती राज विभाग के साथ राज्य निर्वाचन आयोग आवश्यक प्रक्रियाओं को अंतिम रूप देने में जुटा है। प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां शुरू होने से इसी साल चुनाव होने के संकेत मिल रहे हैं।

विधानसभा चुनाव अगले साल तय समय पर होने के मुख्य चुनाव आयुक्त के इस संकेत के बाद अब त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव इसी साल होने की बात को बल मिला है। जानकारों का कहना है कि प्रधान, ब्लाक प्रमुख और जिला पंचायत अध्यक्ष को प्रशासक बनाने के बाद मामले न्यायालय में चल रहे हैं, ऐसे में सरकार ने न्यायालय की कार्रवाई से बचने के लिए राज्य स्तर पर त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियों को बल देना शुरू कर दिया है।

प्रदेश सरकार ने तैयारियां तेज कीं, आरक्षण और मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया पर जोर

पंचायत निदेशालय में बीते त्रिस्तरीय चुनाव कराने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले अधिकारियों को संबद्ध किया जा रहा है, जिससे प्रशासनिक तैयारियों को पूरा किया जा सके। वहीं, पिछड़ा वर्ग आयोग भी सितंबर से पहले रिपोर्ट दे सकता है, जिससे पंचायत चुनाव में पिछड़ों से जुड़े आरक्षण को घोषित किया जा सके। उधर, जिला स्तर पर प्रशासन की चुनाव से जुड़ी सभी तैयारियां पूरी हैं। मतदेय स्थल और अन्य जरुरी काम पहले से ही पूरे चले आ रहे हैं। सभी पदों के लिए महत्वपूर्ण बैलेट पेपर भी स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखे हुए हैं। मतदाता सूची भी बनकर तैयार है। चुनाव से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि तिथि तय होते ही चुनाव कराने की पूरी तैयारी है।

सूत्रों के अनुसार, चुनाव से पहले ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत की सीटों के आरक्षण का निर्धारण, मतदाता सूची का पुनरीक्षण और मतदान केंद्रों का सत्यापन जैसे कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराए जा रहे हैं। इन प्रक्रियाओं के पूरा होने के बाद राज्य निर्वाचन आयोग चुनाव कार्यक्रम जारी कर सकता है। अब पंचायत चुनाव को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में भी राजनीतिक गतिविधियां बढ़ने के आसार नजर आने लगे हैं।

जानकारों का कहना है कि पंचायती राज विभाग को भी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूरा करने को कहा गया है।

मतदाता सूची में नए मतदाताओं के नाम जोड़ने और त्रुटियों के सुधार का कार्य भी निर्धारित समय सीमा में पूरा कराया जाएगा। फिलहाल सभी की निगाहें राज्य निर्वाचन आयोग की आधिकारिक घोषणा पर टिकी हैं, जिसके बाद पंचायत चुनाव की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो जाएगी।

गोवर्धन चौराहे पर 85 लाख के आभूषण गायब, मचा हड़कम्प

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा में 550 ग्राम सोने के आभूषणों से भरा बैग चोरी होने की घटना से सर्राफा कारोबारियों में हड़कंप मच गया। कोरियर कंपनी के कर्मचारी द्वारा दिल्ली भेजे जा रहे आभूषणों का बैग बस में रखने के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। घटना को सुनियोजित वारदात मानते हुए पुलिस विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार, भूतेश्वर तिराहा स्थित एक कोरियर कंपनी के शाखा प्रबंधक ने अपने कर्मचारी के माध्यम से सर्राफा व्यापारियों के 550 ग्राम सोने के आभूषण दिल्ली भेजने के लिए रवाना किए थे। कर्मचारी बैग लेकर गोवर्धन चौराहा के पास दिल्ली जाने वाली बस में पहुंचा। इसी दौरान मौका पाकर बदमाश बैग लेकर फरार हो गए। जब कर्मचारी को बैग गायब होने का पता चला तो उसने शोर मचाया, लेकिन तब तक आरोपी बाइक पर सवार होकर मौके से निकल चुके थे।

पीड़ित कर्मचारी को पूछताछ के लिए ले जाते पुलिसकर्मी।

घटना की सूचना मिलते ही थाना हाईवे पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और बस चालक, परिचालक, कोरियर कर्मचारियों सहित प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ की। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

पुलिस का मानना है कि आरोपियों ने पहले से रेकी कर वारदात को अंजाम दिया है। सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल सर्विलांस और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उनकी पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

बस से दिल्ली भेजे जा रहे 550 ग्राम सोने के आभूषण चोरी

कोरियर कर्मचारी का बैग बदमाशों ने किया पार

सीसीटीवी और सर्विलांस से आरोपियों की तलाश तेज

एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि मामले के शीघ्र खुलासे के लिए पुलिस की कई टीमें गठित की गई हैं। पुलिस सभी संभावित बिंदुओं पर जांच कर रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करने का दावा किया है।

हाईवे पर सक्रिय शातिर, वाहन रोकते ही पार कर रहे लाखों की रकम

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय राजमार्ग पर सक्रिय टप्पेबाज गिरोह इन दिनों वाहन चालकों को नया झांसा देकर अपना शिकार बना रहा है। गिरोह के सदस्य चलती कार के बराबर बाइक या अन्य वाहन से पहुंचकर चालक को इशारों में बताते हैं कि गाड़ी से तेल रिस रहा है या कोई पुर्जा गिर गया है। जैसे ही चालक वाहन रोककर जांच करने उतरता है, बदमाशों का दूसरा साथी कार में रखी नकदी, बैग या अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो जाता है।

हाल ही में इसी तरीके से प्लाईवुड कारोबारी के कर्मचारियों से 25 लाख रुपये से भरा बैग चोरी कर लिया गया। कारोबारी के कर्मचारी कार से नकदी लेकर गोविंद नगर जा रहे थे। रास्ते में टप्पेबाजों ने उन्हें वाहन में खराबी का संकेत दिया। चालक के रुकते ही बदमाशों ने कुछ ही पलों में नकदी से भरा बैग पार कर दिया और फरार हो गए। एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि संदिग्ध वाहनों और आरोपियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच की जा रही है। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की है कि यदि कोई अनजान व्यक्ति रास्ते में वाहन में खराबी का संकेत दे तो सुनसान स्थान पर गाड़ी न रोकें।

ट्राई के ड्राइव टेस्ट में चौंकाने वाले नतीजे

5-जी का निशान दिखा, बेहतर नेटवर्क की गारंटी नहीं

यूनिक समय, नई दिल्ली। मोबाइल फोन की स्क्रीन पर 5-जी नेटवर्क का चिन्ह दिखाई देना हमेशा तेज इंटरनेट और बेहतर कॉलिंग अनुभव की गारंटी नहीं है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के हालिया स्वतंत्र ड्राइव टेस्ट में यह तथ्य सामने आया है कि नेटवर्क की गुणवत्ता स्थान बदलते ही तेजी से बदल जाती है। कई स्थानों पर 5-जी सिग्नल होने के बावजूद इंटरनेट की गति बेहद कम और कॉल की गुणवत्ता कमजोर पाई गई।

ट्राई ने जून और जुलाई के दौरान दो महानगरों, सात शहरों, दो राष्ट्रीय राजमार्गों और एक रेल कॉरिडोर सहित 12 क्षेत्रों में 3,491 किलोमीटर से अधिक दूरी तक ड्राइव टेस्ट किया। सर्वेक्षण में भोपाल, सागर और भरूच जैसे शहरों का नेटवर्क प्रदर्शन कई मामलों में दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों से बेहतर दर्ज किया गया। वहीं, हाईवे और रेल मार्गों पर कवरेज गैप, कॉल ड्रॉप और डेटा स्पीड की समस्या अब भी गंभीर बनी हुई है।

छोटे शहरों का प्रदर्शन महानगरों से बेहतर रहा

रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर दिल्ली और दिल्ली एयरपोर्ट मार्ग पर न्यूनतम डाउनलोड स्पीड महज लगभग चार एमबीपीएस दर्ज की गई, जिससे सामान्य एचडी वीडियो स्ट्रीमिंग भी प्रभावित हुई। इसके विपरीत कुछ क्षेत्रों में डाउनलोड स्पीड 150 से 282 एमबीपीएस तक पहुंची। बिलासपुर–अंबिकापुर हाईवे पर सबसे अधिक कवरेज गैप और कॉल ड्रॉप दर्ज किए गए, जबकि बाड़मेर–बालोतरा–पचपदरा मार्ग पर साइलेंस कॉल की समस्या सबसे ज्यादा रही।

विशेषज्ञों का कहना है कि बेहतर नेटवर्क का आकलन केवल 5-जी आइकन देखकर नहीं किया जा सकता। वास्तविक अनुभव नेटवर्क कवरेज, डेटा स्पीड, कॉल गुणवत्ता और सेवा की स्थिरता पर निर्भर करता है। ट्राई की यह रिपोर्ट दूरसंचार कंपनियों के लिए नेटवर्क सुधार की आवश्यकता का स्पष्ट संकेत मानी जा रही है।

महंगे मसालों ने बिगाड़ा रसोई का बजट

जरूरत भर की खरीदारी को मजबूर परिवार

मिर्च, धनिया और अन्य मसाले हुए महंगे

यूनिक समय, मथुरा। रसोई में स्वाद और खुशबू बढ़ाने वाले मसाले अब आम लोगों की जेब पर भारी पड़ने लगे हैं। मसालों और खाद्य तेलों की लगातार बढ़ती कीमतों ने घरेलू बजट का संतुलन बिगाड़ दिया है। पहले जहां परिवार महीने भर का राशन और मसाले एक साथ खरीद लेते थे, वहीं अब लोग केवल जरूरत के अनुसार ही सामान खरीद रहे हैं। इसका असर सबसे अधिक मध्यम और निम्न आय वर्ग के परिवारों पर दिखाई दे रहा है।

शहर की थोक और फुटकर मंडियों में मसालों की बढ़ी कीमतों का असर साफ नजर आ रहा है। किराना व्यापारियों का कहना है कि मंडियों में माल की आवक कम होने से थोक बाजार में दाम बढ़ गए हैं। इसके चलते फुटकर बाजार में भी कीमतों में लगातार इजाफा हो रहा है। कई मसालों के दाम पिछले कुछ सप्ताह में 40 से 60 रुपये प्रति किलोग्राम तक बढ़ चुके हैं।

व्यापारियों के अनुसार, बाहर से आने वाले खाद्य उत्पादों की ढुलाई महंगी होने से भी कीमतों पर असर पड़ा है। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बढ़ी दरों के कारण ट्रकों का भाड़ा बढ़ गया है, जिसका अतिरिक्त बोझ उपभोक्ताओं को उठाना पड़ रहा है। सरसों का तेल, हल्दी, धनिया, लाल मिर्च और अन्य पिसे मसालों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। गृहिणियों का कहना है कि महंगाई के कारण अब रसोई का बजट संभालना पहले की तुलना में कहीं अधिक कठिन हो गया है। जल्द ही कीमतों पर नियंत्रण नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में आम परिवारों की रसोई पर महंगाई का दबाव और बढ़ सकता है।

कोसीकलां के दो क्षेत्रों में खुले शराब के ठेके पर उठे सवाल

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर पालिका क्षेत्र में घंटाघर के समीप पुलिस चौकी और प्राचीन शिव मंदिर के सामने संचालित शराब के ठेके को लेकर स्थानीय नागरिकों में रोष है। लोगों का आरोप है कि ठेकों के बाहर नशे में धुत लोग अक्सर स्कूली बच्चों और छात्राओं पर फब्तियां कसते हैं, जिससे क्षेत्र का माहौल प्रभावित हो रहा है। रेलवे तिराहे पर डॉ. आंबेडकर पार्क के सामने, मेडिकल स्टोर के निकट और रेलवे स्टेशन के प्रवेश द्वार के पास संचालित शराब के ठेके को लेकर भी लोगों में चर्चा है। स्थानीय नागरिक व्यंग्य करते हुए कहते हैं कि यहां पहले दवा, फिर दारू और उसके बाद रेल का सफर जैसी स्थिति बन गई है।

ओबीसी छात्रवृत्ति के लिए आवेदन शुरू

यूनिक समय, मथुरा। अन्य पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़ा वर्ग को छोड़कर) के छात्र-छात्राओं की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति योजना 2026-27 की संशोधित समय-सारिणी जारी हो गई है। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी विशाल कुमार ने बताया कि शिक्षण संस्थान 15 अगस्त तक मास्टर डाटाबेस अपडेट करेंगे, जबकि विश्वविद्यालय 30 अगस्त तक सत्यापन पूरा करेंगे। 15 सितंबर से 15 अक्टूबर तक छात्र रिन्युअल करा सकते हैं। फ्रेश छात्र 15 सितंबर से 31 अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

मछली पालकों को अब मिलेगा पांच लाख रुपये तक का मुफ्त बीमा

सरकारी पोर्टल पर पंजीकरण कर मिलेगा लाभ, दुर्घटना में मृत्यु पर पांच लाख

यूनिक समय, मथुरा। जिले के मछली पालकों के लिए यह अच्छी खबर है। उत्तर प्रदेश सरकार ने पात्र मछली पालकों के लिए पांच लाख रुपये तक के मुफ्त व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा की सुविधा शुरू की है। इस योजना का लाभ लेने के लिए मछली पालकों को राष्ट्रीय मत्स्य डिजिटल पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराना होगा।

प्रदेश के मत्स्य निदेशक एन.एस. रहमानी ने बताया कि इस योजना के लिए मछली पालकों को कोई प्रीमियम नहीं देना होगा। बीमा का पूरा खर्च केंद्र और राज्य सरकार मिलकर उठाएंगी। उन्होंने बताया कि यदि मछली पकड़ने के दौरान पानी में डूबने, सांप के काटने, सड़क दुर्घटना या अन्य दुर्घटना में किसी मछली पालक की मृत्यु हो जाती है तो उसके परिवार को पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता मिलेगी। यदि कोई स्थायी रूप से दिव्यांग हो जाता है तो उसे 2.50 लाख रुपये और गंभीर घायल होने पर इलाज के लिए 50 हजार रुपये दिए जाएंगे। इस योजना का लाभ लेने के लिए पहले राष्ट्रीय मत्स्य डिजिटल पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा। इसके बाद बीमा के लिए आवेदन किया जा सकेगा। यदि कोई मछली पालक स्वयं पंजीकरण नहीं कर पाता है तो वह अपने नजदीकी जन सेवा केंद्र पर जाकर निशुल्क सहायता ले सकता है। सहायक निदेशक मत्स्य अंकाक्षा ने बताया कि जिले के पात्र मछली पालकों को इस योजना से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस बीमा योजना से मछली पालकों और उनके परिवारों को आर्थिक सुरक्षा मिलेगी।

वृंदावन के आरक्षित वनों में लगेंगे एक लाख देशी पौधे

विलायती बबूल हटाकर पीपल, बरगद और पाकड़ को मिलेगा स्थान

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन के पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता को बढ़ावा देने के लिए वन विभाग ने अभियान शुरू किया है। मथुरा मार्ग स्थित अहिल्यागंज और छटीकरा मार्ग स्थित सुनरख आरक्षित वन क्षेत्रों में विलायती बबूल को हटाकर करीब एक लाख चौड़ी पत्ती वाले देशी पौधे पीपल, बरगद, पाकड़ और अन्य स्थानीय प्रजातियों के पौधे रोपे जाएंगे। अभियान का उद्देश्य आरक्षित वनों की हरियाली बढ़ाने के साथ प्राकृतिक पारिस्थिति की तंत्र को मजबूत करना है।

वन विभाग दोनों आरक्षित वन क्षेत्रों को तारबंदी कर सुरक्षित बना रहा है। अहिल्यागंज का वन क्षेत्र लगभग 10 हेक्टेयर और सुनरख आरक्षित वन क्षेत्र करीब 119.6 एकड़ में फैला हुआ है। पौधरोपण के बाद उनकी सिंचाई के लिए प्रत्येक पांच हेक्टेयर क्षेत्र में सोलर पैनल और सबमर्सिबल पंप लगाए जाएंगे, जिससे बिना बिजली बाधा के पौधों को नियमित पानी मिल सकेगा। पौधों की उपलब्धता की जिम्मेदारी अलीगढ़ की कार्यदायी संस्था को सौंपी गई है, जबकि विभागीय कर्मचारी रोपण कार्य में जुटे हैं। वन विभाग ने पूरे अभियान की निगरानी के लिए वन क्षेत्राधिकारी कार्यालय भी स्थापित किया है। वन क्षेत्राधिकारी विपिन मिश्रा ने बताया कि सौर ऊ र्जा आधारित सिंचाई व्यवस्था से पौधों के संरक्षण में मदद मिलेगी और आने वाले वर्षों में इन आरक्षित वनों की हरियाली और जैव विविधता में बेहतर वृद्धि होगी।

दिन भर धूप-छांव, उमस बनी बाधा

28 से 30 जुलाई तक हल्की या तेज वर्षा के आसार

यूनिक समय, मथुरा। जिले में मानसून के आगमन के बाद कभी धूप-छांव तो कभी बारिश को दौर जारी है। शुक्रवार को सुबह से ही बादलों का आना-जाना लगा रहा। दोपहर में धूप-छांव का असर बना रहा, लेकिन चमकदार धूप की वजह से उमस होने के बाद लोग अकुला गए।

अधिकतम तापमान 31.5 और न्यूनतम 24.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उधर, मौसम विभाग ने जिले से जुड़ा मौसम का नया पूर्वानुमान जारी किया है। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, शनिवार को बूंदाबांदी या वर्षा हो सकती है, जबकि 28 से 30 जुलाई तक हल्की या तेज वर्षा होने के आसार हैं।

बांकेबिहारी के भजनों पर झूमे श्रद्धालु

यूनिक समय, मांट। राधा-कृष्ण की महारास स्थली बंसीवट में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञानयज्ञ के तीसरे दिन श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। बांकेबिहारी के भजनों पर श्रद्धालु थिरकते नजर आए। वंसीवट धाम के महंत जयराम दास के सानिध्य में आयोजित इस कथा में व्यास आदित्य नारायण दास ने प्रभु के विभिन्न दिव्य अवतारों का वर्णन कर श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। उन्होंने भगवान के वराह अवतार की कथा का वर्णन किया। कथा के अंत में बंसीवट धाम के महंत जयराम दास और कथा यजमान अभिषेक गुप्ता और लक्ष्मी गुप्ता ने व्यासपीठ की आरती उतारी।

सर्वाइकल कैंसर से बचाएगी एचपीवी वैक्सीन

जिले में 3600 से अधिक किशोरियों को लगा टीका

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में 14 से 15 वर्ष की किशोरियों को गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर से बचाने के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) वैक्सीन लगाई जा रही है। जिले में अब तक 3600 से अधिक किशोरियों को यह टीका लगाया जा चुका है। स्वास्थ्य विभाग का लक्ष्य है कि हर पात्र बच्ची तक यह सुरक्षा पहुंचाई जाए।

नोडल अधिकारी डॉ. रोहताश सिंह ने बताया कि एचपीवी वैक्सीन गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर से बचाव के लिए लगाई जाती है। यह टीका 14 से 15 वर्ष की किशोरियों को लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले में अब तक करीब 3600 बच्चियों का टीकाकरण हो चुका है जब तक हर बच्चियों के नहीं लगेगा जब तक यह अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि शहर और गांव दोनों जगह स्वास्थ्य विभाग की टीमें काम कर रही हैं। आशा और एएनएम घर-घर जाकर 14 से 15 वर्ष की बच्चियों की पहचान कर रही हैं। पहले उनका पंजीकरण किया जाता है, फिर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या तय स्थान पर टीका लगाया जाता है। डॉ. रोहताश सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की कोशिश है कि जिले की कोई भी पात्र किशोरी इस टीके से वंचित न रहे, इसके लिए लगातार सर्वे किया जा रहा है और जिन बच्चियों का टीकाकरण नहीं हुआ है, उन्हें सूची में शामिल कर वैक्सीन लगाई जा रही है। उन्होंने अभिभावकों से भी कहा है कि वह अपनी बेटियों का समय पर एचपीवी वैक्सीन जरूर लगवाएं। समय पर टीकाकरण कराने से भविष्य में सर्वाइकल कैंसर का खतरा काफी कम हो जाता है।

बांकेबिहारी में वीआईपी दर्शन के नाम पर ठगी का खेल

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन करने के लिए बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के साथ धोखा हो रहा है। श्रद्धालुओं की मानें तो मंदिर क्षेत्र में मंडराने वाले कुछ युवक श्रद्धालुओं को अपने जाल में वीआईपी गैलरी से दर्शन और वीआईपी गेट से दर्शन कराने का प्रलोभन कर पांच–पांच सौ रुपये ऐंठ लेते और देखते ही देखते फुर्र हो जाते हैं।

किस्सा गुरुवार की सायं का है। वीआईपी गेट पांच नंबर से पहले श्रद्धालुओं को गोस्वामी के शिष्यों को भेजा जाता था। इसके लिए बाकायदा तैनात पुलिसकर्मियों के पास मौजूद रजिस्टर में गोस्वामी का नाम और उसके द्वारा अंकित कराए शिष्यों के नाम दर्ज होते थे। यहां तक पेज नंबर लिखा होता था।

इस गेट पर मंदिर में प्रवेश लेने वाले श्रद्धालुओं से रजिस्टर का पेज नंबर पूछा जाता था। इससे पुलिसकर्मियों को सही आदमी की पहचान हो जाती थी।

अब पांच नंबर गेट फ्री कर दिया गया है। यहां से अब कोई एंट्री कर सकता है, लेकिन कुछ युवकों ने इस पांच नंबर गेट को अपने धंधे का जरिया बना लिया है।

मंदिर में दर्शन करने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं का युवक से सामना हो जाता है। वह युवक श्रद्धालुओं को

वीआईपी गेट और गैलरी से दर्शन करेंगे तो दीजिए सुविधा शुल्क

वीआईपी गेट से मंदिर पहुंचने का प्रलोभन देते हैं। इसके बदले में पांच सौ रुपये एक श्रद्धालु से वसूल करते हैं। वह युवक श्रद्धालुओं को गेट नंबर पांच तक छोड़कर रफूचक्कर हो जाते हैं।

अब रुपये देकर मंदिर में जाने वाले श्रद्धालुओं को भीड़ का सामना करना पड़ता है तो तब उनके मुंह से निकलता है यह कैसा वीआईपी गेट। कई महिला श्रद्धालुओं ने इस बात का जिक्र किया कि उनको वीआईपी गेट के नाम पर फंसा कर यहां लाया गया। अब मंदिर के अंदर पहुंचकर नई कहानी सामने आई। यहां भी कुछ युवक आगे से दर्शन कराने के नाम पर श्रद्धालुओं को फंसाते नजर आते हैं, जबकि वीआईपी गैलरी से दर्शन करने के लिए मंदिर की रसीद कटती है। पर युवक ऐसा नहीं करते हैं, वह अपने रुपये लेकर श्रद्धालुओं को बीच मझधार में फंसा देते हैं। आखिर ऐसे श्रद्धालु शिकायत करें तो कहां करें। वह परेशानी और तमाम झझंटों से बचते हुए दर्शन करके लौट जाते हैं।

हालांकि यूनिक समय ऐसे आरोपों की पुष्टि नहीं करता है, पर मंदिर प्रबंध कमेटी, हाई पावर कमेटी के अध्यक्ष और सचिव को मंदिर के आसपास श्रद्धालुओं की सजगता के लिए बड़े होर्डिग्स लगवाने चाहिए, जिससे दर्शन करने के लिए वीआईपी गेट पांच से किसी प्रकार का कोई शुल्क किसी को न देने और वीआईपी गैलरी से दर्शन करने के लिए किसी को कोई शुल्क न देने की हिदायत देनी चाहिए।

बेकाबू रोडवेज बस ने बाइक को रौंदा, दंपति की मौत

नवादा चौराहे के पास हुए हादसे में नातिन गंभीर

चालक बस लेकर फरार मासूम आईसीयू में भर्ती

यूनिक समय, मथुरा। आगरा–दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर शक्रवार सुबह नवादा चौराहे के पास दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दंपति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके साथ बैठी पांच वर्षीय नातिन गंभीर घायल हो गई। हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया और चालक बस लेकर मौके से फरार हो गया।

फरह थाना क्षेत्र के गांव बेरी निवासी मूलचंद अपनी पत्नी मंजू और पांच वर्षीय नातिन के साथ मोटरसाइकिल से किसी काम के लिए जा रहे थे। नवादा चौराहे के पास पीछे से तेज रफ्तार रोडवेज बस ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मूलचंद और मंजू की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मासूम गंभीर घायल हो गई। सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे, पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। घायल बच्ची को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर होने पर आईसीयू में भर्ती किया गया है। हादसे के कारण हाईवे पर यातायात प्रभावित हो गया। थाना हाईवे पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जाम खुलवाया और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

थाना प्रभारी प्रशांत कपिल ने बताया कि हादसे के बाद बस चालक वाहन सहित फरार हो गया। उसकी तलाश की जा रही है। एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि घटना की सूचना रोडवेज अधिकारियों को भी दे दी गई है, ताकि विभागीय स्तर पर भी आवश्यक कार्रवाई की जा सके। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बिजली विभाग की लापरवाही बिजली घर पर गरजे किसान

बिजली सब स्टेशन पर धरना देते किसान।

यूनिक समय, बाजना। क्षेत्र में बिजली विभाग की घोर लापरवाही और लगातार बनी समस्याओं के खिलाफ बाजना बिजली घर पर विशाल धरना-प्रदर्शन हुआ। शुक्रवार को हुए प्रदर्शन में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी और किसान शामिल हुए, जिन्होंने बिजली व्यवस्था के प्रति आक्रोश व्यक्त किया। किसानों के उग्र प्रदर्शन को देखते हुए मौके पर पहुंचे नौहझील एसडीओ ने किसानों से वार्ता की। आश्वासन दिया कि किसानों की सभी मांगें एक सप्ताह से पहले ही पूरी कर दी जाएंगी।

धरने के दौरान किसानों और क्षेत्रवासियों की ओर से मांगे भी रखी गईं, जिनमें किसानों को खेती–किसानी के लिए पूर्ण रूप से बिजली न मिल पाने की समस्या का समाधान करने और खैर से बाजना के लिए आ रही जर्जर 33 केवी की लाइन को पूरी तरह बदलकर नई लाइन डालने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। विरोध-प्रदर्शन के दौरान चौ. करुआ सिंह, डॉ. चेतन नौवार, सोनू प्रधान, अजय सरपंच, लोकेश सरपंच, रवि कुमार (भीम आर्मी नेता),अनुज सागर,विवेक चौधरी आदि ने एक सप्ताह के भीतर समस्याओं का समाधान करने का लिखित आश्वाासन मिलने के बाद धरना समाप्त किया गया।

मुड़िया मेले में स्वास्थ्य सेवाएं चौकस लापरवाही पर सख्त कार्रवाई

यूनिक समय, गोवर्धन। मुड़िया मेले के शुभारंभ के साथ ही स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड में आ गया है। गिरिराजजी की परिक्रमा के लिए देश–विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मेला क्षेत्र में स्थापित अस्थायी स्वास्थ्य शिविरों का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. नेहा चौधरी और मेला स्वास्थ्य नोडल अधिकारी डॉ. भूदेव शर्मा ने चिकित्सा टीम के साथ विभिन्न स्वास्थ्य शिविरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने शिविरों में उपलब्ध दवाइयों, प्राथमिक उपचार सामग्री, चिकित्सा उपकरणों और आवश्यक संसाधनों की समीक्षा करते हुए सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों को समय

स्वास्थ्य शिविर के निरीक्षण के दौरान सीएचसी प्रभारी डॉ. नेहा चौधरी आदि।

पर उपस्थित रहने, निर्धारित यूनिफॉर्म में सेवाएं देने और श्रद्धालुओं के साथ संवेदनशील और जिम्मेदार व्यवहार करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि किसी भी कर्मचारी की लापरवाही सामने आने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने मेला अवधि के दौरान चौबीसों घंटे निगरानी व्यवस्था लागू की है। आपात स्थिति से निपटने के लिए चिकित्सा दलों को सतर्क रखा गया है, ताकि किसी भी श्रद्धालु को तत्काल उपचार उपलब्ध कराया जा सके और मेले के दौरान स्वास्थ्य सेवाएं निर्बाध रूप से संचालित होती रहें।

लूट में वांछित गिरफ्तार, लूटा मोबाइल बरामद

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली नगर थाना पुलिस ने लूट के मामले में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन बरामद किया है। कोतवाली थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर लूट के मामले में वांछित आरोपी सूरज निवासी केशव कुंज कॉलोनी, गणेशरा रोड, थाना हाईवे को गिरफ्तार केआर इंटर कॉलेज के पास खाली पड़े भूखंड से दबोच लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से लूटा गया सैमसंग गैलेक्सी एफ 55 जीवी और 5 जी मोबाइल फोन बरामद हुआ। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक विनोद बाबू मिश्रा, उपनिरीक्षक राजेंद्र कुमार और उपनिरीक्षक मोमराज सिंह शामिल रहे।

मायके जाने को निकली विवाहिता दो दिन बाद भी लापता

ससुर ने थाने में दी तहरीर, पुलिस ने शुरू की मामले की जांच

यूनिक समय, महावन। राया क्षेत्र से मायके जाने की बात कहकर घर से निकली एक विवाहिता दो दिन बाद भी नहीं लौटी। काफी तलाश के बाद भी कोई सुराग नहीं मिलने पर परिजनों ने पुलिस से मदद की गुहार लगाई है। मामले में ससुर ने बिचपुरी चौकी पर गुमशुदगी की तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, थोक ज्ञान निवासी 35 वर्षीय गुंजन पत्नी रवि कुमार, 22 जुलाई की सुबह करीब 10 बजे घर से निकली थी। उसने परिजनों से अलीगढ़ जनपद के थाना क्वार्सी क्षेत्र स्थित अपने मायके चंदनिया जाने की बात कही थी। इसके बाद से उसका कोई पता नहीं चल सका।

शुक्रवार को गुंजन के ससुर किशन सिंह ने बिचपुरी चौकी पहुंचकर तहरीर दी। उन्होंने बताया कि रिश्तेदारों और परिचितों के यहां तलाश करने के बावजूद बहू का कोई सुराग नहीं मिला है। बिचपुरी चौकी प्रभारी ने बताया कि तहरीर प्राप्त हो गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चार दिन भक्तों से गुलजार रहेगा रमणरेती आश्रम

गुरु पूर्णिमा पर लगेगा आस्था का महासंगम

गुरुशरणानंद के दर्शन पूजन को उमड़ेंगे श्रद्धालु

28 से 31 जुलाई तक चलेगा गुरु पूजा महोत्सव

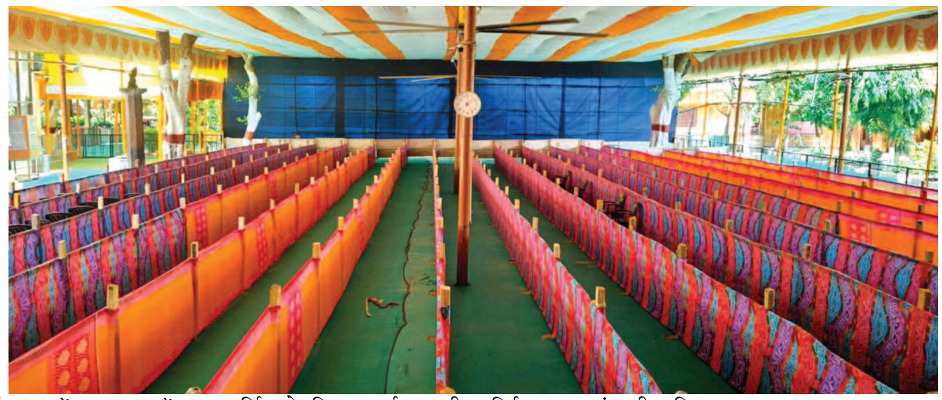

गुरु पूर्णिमा पर्व पर गुरु दीक्षा के लिए कार्ष्णि आश्रम में लगाया गया टैंट। गुरु पूर्णिमा के लिए सजाई जा रही कार्ष्णि गुरुशरणानंद की कुटिया।

यूनिक समय, मथुरा। गुरु पूर्णिमा को लेकर श्रीकृष्ण की नगरी में धार्मिक उल्लास चरम पर है। मंदिरों और आश्रमों में तैयारियां अंतिम दौर में पहुंच गई हैं। गोकुल स्थित रमणरेती आश्रम में स्वामी गुरुशरणानंद के सान्निध्य में 28 जुलाई से 31 जुलाई तक चार दिवसीय गुरु पूजा महोत्सव का आयोजन होगा। इस दौरान देश के विभिन्न राज्यों से हजारों श्रद्धालु आश्रम पहुंचकर गुरु चरणों में श्रद्धा अर्पित करेंगे और आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

गुरु पूर्णिमा को लेकर आश्रम प्रबंधन पिछले कई दिनों से तैयारियों में जुटा हुआ है।

श्रद्धालुओं की भीड़ को व्यवस्थित रखने के लिए करीब एक दर्जन कतारें बनाई गई हैं। प्रवेश और निकास के अलग-अलग मार्ग तय किए गए हैं। आश्रम के सेवादार लगातार व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं। 28 जुलाई को मथुरा, महावन, सादाबाद, बलदेव (दाऊजी) और आसपास के क्षेत्रों से श्रद्धालु गुरु पूजा में शामिल होंगे।

29 जुलाई को संत-महात्माओं के साथ मथुरा जनपद के शिष्य और भक्त दर्शन करेंगे। 30 जुलाई को आगरा, हाथरस, बरेली, अलीगढ़, बुलंदशहर, हरियाणा, झारखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे। 31जुलाई को गोवर्धन, राजस्थान, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश सहित अन्य क्षेत्रों से आने वाले भक्त स्वामी गुरुशरणानंद का पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

गुरु पूर्णिमा को लेकर गोकुल, महावन, रमणरेती और चिंताहरण महादेव मंदिर क्षेत्र में भी रौनक दिखाई देने लगी है। स्थानीय व्यापारियों ने अपनी दुकानों को आकर्षक ढंग से सजाना शुरू कर दिया है। प्रमुख मार्गों और बाजारों में साफ-सफाई कराई जा रही है, ताकि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

गुरु पूर्णिमा मेले में बिजली संकट

यूनिक समय, गोवर्धन। मुड़िया पूर्णिमा मेले के बीच बिजली व्यवस्था को लेकर विभाग के दावे सवालों के घेरे में हैं। नीमगांव क्षेत्र से जुड़े पलसो फीडर की विद्युत आपूर्ति दिन के समय भी बार-बार बाधित होने से स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी और उमस के बीच लंबे समय तक बिजली गुल रहने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।

पलसो फीडर के अंतर्गत दसविसा, परिक्रमा मार्ग और मानसी गंगा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र आते हैं, जहां मेले के दौरान हजारों श्रद्धालुओं की

पलसों फीडर की आपूर्ति बाधित होने से बढ़ी परेशानी

आवाजाही रहती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि मेले से पहले भी बिजली की यही समस्या बनी हुई थी और कई बार शिकायत करने के बावजूद विभाग ने स्थायी समाधान नहीं किया। उनका कहना है कि 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति के दावे केवल कागजों तक सीमित दिखाई दे रहे हैं।

वहीं, गोवर्धन के अधिशासी अभियंता (एक्सईएन) ने बताया कि कुछ स्थानों पर विद्युत लाइन और अन्य तकनीकी कार्य चल रहे हैं, जिसके कारण अस्थायी रूप से बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मरम्मत कार्य पूरा होते ही विद्युत आपूर्ति सामान्य कर दी जाएगी। स्थानीय लोगों ने मेले के दौरान निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने की मांग करते हुए विभाग से शीघ्र समाधान की अपेक्षा जताई है।

मुड़िया मेले में खाद्य विभाग सतर्क शुद्ध भोजन पर विशेष निगरानी

खाद्य नमूनों की जांच को खड़ा खाद्य सुरक्षा विभाग का वाहन।

यूनिक समय, गोवर्धन। गुरु पूर्णिमा मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को सुरक्षित और शुद्ध खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने विशेष अभियान शुरू किया है। मेले के दौरान विभाग की मोबाइल खाद्य परीक्षण वैन क्षेत्र में तैनात की गई है, जो विभिन्न दुकानों और भंडारों से खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर उनकी गुणवत्ता की जांच कर रही है। अधिकारियों का उद्देश्य मिलावटी और अशुद्ध खाद्य सामग्री की बिक्री और वितरण पर रोक लगाना है, ताकि श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य पर किसी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

वहीं, मेले में श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए परिक्रमा मार्ग पर आकर्षक सजावट की गई है। विभिन्न स्थानों पर स्वागत संदेशों वाले होर्डिंग, रंग-बिरंगी रोशनी और सजावटी द्वार लगाए गए हैं, जो श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं।

तिराहों और चौराहों पर की गई विशेष सजावट से पूरा गोवर्धन भक्तिमय और उत्सवमय वातावरण में नजर आ रहा है।

परिक्रमार्थियों की मददगार बनेंगी ट्रेन सेवा

यूनिक समय, मथुरा। मुड़िया मेले और गुरु पूर्णिमा पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए उत्तर मध्य रेलवे ने 31 जुलाई तक विशेष रेल संचालन की व्यापक व्यवस्था की है। इस दौरान विशेष मेमू ट्रेनों का संचालन किया जाएगा, कई नियमित ट्रेनों का विस्तार किया गया है, जबकि कुछ प्रमुख एक्सप्रेस ट्रेनों को मथुरा जंक्शन और आगरा छावनी स्टेशन पर अस्थायी ठहराव दिया जाएगा।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-आगरा छावनी ट्रेन (11901-11902) का विस्तार डीग तक किया गया है। 11901 झांसी-डीग ट्रेन 29 और 30 जुलाई को, जबकि 11902 डीग-झांसी ट्रेन 30 और 31 जुलाई को संचालित होगी। विस्तारित मार्ग में आगरा छावनी, मथुरा जंक्शन, भूतेश्वर, मौरा, राधाकुंड और गोवर्धन सहित सभी प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव रहेगा, जिससे परिक्रमा के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को सीधा लाभ मिलेगा। नई दिल्ली-आगरा छावनी इंटरसिटी एक्सप्रेस (14212-14211) का विस्तार ग्वालियर तक किया गया है। 14212 नई दिल्ली-ग्वालियर ट्रेन आज से 31 जुलाई तक और 14211 ग्वालियर-नई दिल्ली ट्रेन 25 जुलाई से एक अगस्त तक धौलपुर और मुरैना होकर संचालित होगी। मेले की अवधि में आज से 31 जुलाई तक आगरा छावनी और मथुरा जंक्शन के बीच विशेष मेमू ट्रेनों का भी संचालन होगा। इटावा, मैनपुरी और वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी से आने-जाने वाली मेमू सेवाओं का विस्तार मथुरा तक किया गया है। निजामुद्दीन-मदुरै, निजामुद्दीन-तिरुपति, निजामुद्दीन-कन्याकुमारी और निजामुद्दीन-यशवंतपुर एक्सप्रेस को मथुरा जंक्शन, आगरा छावनी पर दो मिनट का अस्थायी ठहराव रहेगा।

चार दिन कासगंज-मथुरा के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन

यूनिक समय, मथुरा। प्रसिद्ध मुड़िया पूर्णिमा मेले में श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए पूर्वोत्तर रेलवे ने कासगंज और मथुरा के बीच एक जोड़ी स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन 26 जुलाई से 29 जुलाई तक संचालित होगी। इसका फायदा हाथरस, सिकंदराराऊ और आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालुओं को मिल सकेगा। रेलवे के अनुसार, ट्रेन संख्या 05307 कासगंज से रात 12:40 बजे प्रस्थान करेगी। यह 01:10 बजे सिकंदराराऊ, 01:39 बजे हाथरस सिटी, 02:55 बजे मथुरा कैंट पहुंचते हुए 03:30 बजे मथुरा जंक्शन पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 05308 मथुरा जंक्शन से सुबह 04:50 बजे रवाना होगी। यह 05:00 बजे मथुरा कैंट, 05:38 बजे हाथरस सिटी, 06:12 बजे सिकंदराराऊहोते हुए 07:00 बजे कासगंज पहुंचेगी। पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मंडल के जनसंपर्क अधिकारी सरफर हुसैन ने बताया कि स्पेशल ट्रेन में 12 साधारण श्रेणी के कोच लगाए जाएंगे, जिससे मुड़िया मेले में श्रद्धालुओं को अतिरिक्त यात्रा सुविधा उपलब्ध हो सके।

गुरु पूर्णिमा पर वृंदावन में भिखारियों की संख्या में बढ़ोत्तरी

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की नगरी में गुरु पूर्णिमा महोत्सव को देखते हुए भिखारियों ने भी डेरा जमा लिया है। प्रमुख मंदिरों के आसपास और परिक्रमा मार्ग में जगह-जगह भिखारी दिखाई देने लगे हैं। ऐसे भिखारियों में बच्चों से लेकर महिला और पुरुष तक शामिल हैं। शिकायत मिल रही है कि कई जगह तो भिखारी श्रद्धालुओं के आगे-पीछे जब तक मंडराते रहते हैं, तब तक उनको कुछ नहीं मिल जाता है। भिखारियों में कुछ तो ऐसे होते है, जो मेहनत-मजदूरी भी कर सकते हैं, लेकिन वह मजदूरी क्यों करें, उनको भीख मांगने में अच्छी खासी आमदनी हो रही है। गुरु पूर्णिमा को लेकर भिखारियों की संख्या को देखकर लग रहा है कि यहां इस बार बाहर से भिखारियों की फौज भी आई हुई है। कई इलाकों में भीख मांगने वालों में नए-नए चेहरे दिखाई दे रहे हैं।

ग्रामीणों ने मंडल उपाध्यक्ष बनने पर योगेंद्र का किया स्वागत

यूनिक समय, मथुरा। नौहझील ब्लॉक के गांव खाजपुर निवासी चौधरी योगेंद्र सिंह को मंडल उपाध्यक्ष बनाए जाने पर ग्रामवासियों ने उनका भव्य स्वागत किया। दिलावर प्रधान के निवास पर स्वागत समारोह आयोजित किया गया, जहां ग्रामीणों ने मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि चौधरी योगेंद्र सिंह किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए क्षेत्र की आवाज बनेंगे। चौधरी योगेंद्र सिंह ने सभी ग्रामवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ किसानों और समाज के हित में कार्य करेंगे। कार्यक्रम के दौरान कई बुजुर्गों और युवाओं ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की।

469 वर्षों से मुड़िया संत लगा रहे हैं गोवर्धन परिक्रमा

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज की आस्था और श्रद्धा का सबसे बड़ा पर्व माने जाने वाले गोवर्धन के राजकीय मुड़िया पूर्णिमा मेले का इतिहास करीब 469 वर्ष पुराना है। यह परंपरा श्रीकृष्ण चैतन्य महाप्रभु के प्रमुख शिष्य सनातन गोस्वामी की स्मृति से जुड़ी हुई है। हर साल आषाढ़ पूर्णिमा पर लाखों श्रद्धालु गिरिराज महाराज की सात कोस की परिक्रमा कर उनकी कृपा प्राप्त करने की कामना करते हैं।

मान्यता है कि सनातन गोस्वामी मानसी गंगा तट पर रहकर भजन-पूजन करते थे, प्रतिदिन गिरिराज जी की परिक्रमा किया करते थे। ब्रज भक्तमाल के

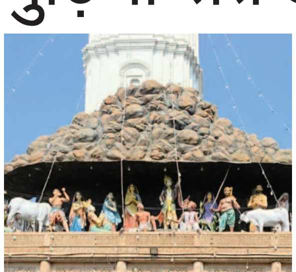

अनुसार, आषाढ़ पूर्णिमा, संवत 1615 में उनके ब्रह्मलीन होने के बाद उनके शिष्यों ने शोक स्वरूप मुंडन कराया और उनकी पार्थिव देह के साथ गिरिराज की परिक्रमा की। उसी दिन से इस पर्व को

सनातन गोस्वामी की स्मृति से शुरू हुई मुड़िया पूर्णिमा की परंपरा

29 जुलाई को दो चरणों में निकलेगी पारंपरिक मुड़िया शोभायात्रा

मुड़िया पूर्णिमा के नाम से जाना जाने लगा। समय के साथ यह परंपरा विशाल धार्मिक मेले का रूप ले चुकी है, आज लाखों वैष्णव भक्त इसी श्रद्धा के साथ परिक्रमा करते हैं।

इस बार 27 जुलाई को परंपरा के अनुसार मुड़िया संत सामूहिक मुंडन कराएंगे, जबकि 29 जुलाई को दो चरणों में भव्य- दिव्य शोभायात्रा निकलेंगी। पहली शोभायात्रा सुबह नौ बजे राधाश्याम सुंदर मंदिर से महंत रामकृष्ण दास के नेतृत्व में प्रारंभ होगी, जबकि दूसरी शोभायात्रा शाम पांच बजे श्रीचैतन्य महाप्रभु मंदिर से महंत गोपाल दास के निर्देशन में निकलेगी। परंपरा के अनुसार, श्रीपाद रघुनाथ दास गोस्वामी गद्दी, राधाकुंड से ध्वजा और निशान चिन्ह श्रीचैतन्य महाप्रभु मंदिर तक लाए जाएंगे।

हंसता आईना

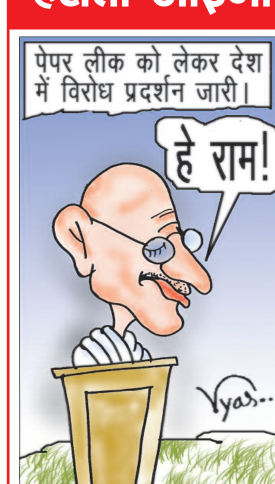

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

सेमीकंडक्टर से एआई तक सुनहरे करियर का द्वार जीएलए का ईसीईं विभाग

यूनिक समय, मथुरा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, 5 जी-6जी, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और एम्बेडेड सिस्टम जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के तेजी से विस्तार के बीच इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (ईसीई) भविष्य की सबसे महत्वपूर्ण इंजीनियरिंग शाखाओं में शामिल हो चुकी है।

ऐसे समय में जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा का इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग विद्यार्थियों को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार कर राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी अलग पहचान बना रहा है। जीएलए विश्वविद्यालय का ईसीई विभाग केवल क्लास रूम तक सीमित शिक्षा नहीं देता, बल्कि विद्यार्थियों को अत्याधुनिक तकनीकों, उद्योग आधारित प्रशिक्षण, अनुसंधान, नवाचार और वैश्विक अवसरों से जोड़ते हुए उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करता है। यही कारण है कि यहां के विद्यार्थी देश की अग्रणी सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों में लगातार चयनित हो रहे हैं।

प्रो . विनय कुमार देवलिया

अत्याधुनिक लैब, अंतरराष्ट्रीय सहयोग, 20 लाख तक का पैकेज और विश्वस्तरीय रिसर्च से विद्यार्थियों को मिल रही नई पहचान

विभाग का प्लेसमेंट रिकॉर्ड भी लगातार मजबूत होता जा रहा है। पिछले तीन वर्षों में विद्यार्थियों का चयन कोर कंपनी सिलिकॉन लैब्स, एनएक्सपी सेमीकंडक्टर्स, इंटेल, क्वालकॉम, यूनो मिंडा, वीवीडीएन एवं सॉफ्टवेयर कंपनी विप्रो, इंफोसिस, कॉग्निजेंट और टेक महिंद्रा आदि जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में हुआ है। विद्यार्थियों को छह लाख रुपये से लेकर 20 लाख रुपये वार्षिक तक के आकर्षक पैकेज प्राप्त हुए हैं, जो विभाग में मिलने वाली गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और तकनीकी दक्षता का प्रमाण है। व्यावहारिक शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए विभाग में वीएलएसआई लैब, एम्बेडेड सिस्टम लैब, इंटरनेट ऑफ थिंग्स लैब, रोबोटिक्स लैब, पीसीबी डिजाइन लैब, एडवांस्ड कम्युनिकेशन लैब और नेशनल इंस्ट्रूमेंट्स द्वारा समर्थित आधुनिक प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं। इन लैब्स में विद्यार्थी लैबव्यू, वीएलएसआई डिजाइन टूल्स और एम्बेडेड प्लेटफॉर्म पर वास्तविक प्रोजेक्ट विकसित करते हैं, जिससे वे उद्योग में कार्य करने के लिए पहले दिन से तैयार रहते हैं। वर्तमान समय की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विभाग के पाठ्यक्रम को भी आधुनिक बनाया गया है। विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, सेमीकंडक्टर डिजाइन, ड्रोन टेक्नोलॉजी, सेंसर इंटीग्रेशन और इंडस्ट्री 4.0 जैसी तकनीकों का विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इससे विद्यार्थी केवल नौकरी पाने तक सीमित नहीं रहते, बल्कि नई तकनीकों के विकास और नवाचार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार होते हैं। वैश्विक स्तर पर विद्यार्थियों को अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभाग ने अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों एवं उद्योगों के साथ सहयोग स्थापित किया है। सेमीकंडक्टर लेबोरेटरी, मोहाली, सिलिकॉन लैब्स, विल्नियस गेडिमिनस टेक्निकल यूनिवर्सिटी, लिथुआनिया और नेशनल इंस्ट्रूमेंट्स के साथ हुए सहयोग के माध्यम से विद्यार्थियों को इंटर्नशिप, रिसर्च, फैकल्टी इंटरैक्शन, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने के अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के एचओडी प्रो. विनय कुमार देवलिया ने कहा कि आज पूरी दुनिया सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और स्मार्ट कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी की ओर तेजी से बढ़ रही है। ऐसे समय में हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल डिग्री देना नहीं, बल्कि उन्हें भविष्य की तकनीकों का विशेषज्ञ बनाना है। विभाग में उद्योग आधारित पाठ्यक्रम, आधुनिक प्रयोगशालाएं, अनुसंधान, नवाचार और वैश्विक सहयोग के माध्यम से विद्यार्थियों को ऐसा वातावरण दिया जा रहा है, जिससे वे देश और दुनिया की अग्रणी कंपनियों में सफल करियर बना सकें।

रिफाइनरी के भारी वाहन के बोझ से सड़क बनी गड्ढ़ों का जाल

यूनिक समय, बरारी। इंडियन ऑयल रिफाइनरी के नंबर-9 गेट से छड़गांव, पिलुआ और भूड़रसू होते हुए राजस्थान को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग बदहाल है। सड़क पर जगह-जगह बने गहरे गड्ढों के कारण वाहन चालकों और राहगीरों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

यह मार्ग राष्ट्रीय राजमार्ग-19 को जोड़ने के साथ करीब एक दर्जन गांवों की जीवनरेखा माना जाता है। प्रतिदिन हजारों छोटे-बड़े वाहनों के अलावा रिफाइनरी से निकलने वाले बिटुमिन, डीजल, पेट्रोल और सल्फर से भरे सैकड़ों टैंकर भी इसी रास्ते से गुजरते हैं। लगातार भारी वाहनों की आवाजाही से सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है।

जर्जर सड़क, जिसमें गड्ढे होने से राहगीर और वाहन चालक परेशान हैं।

राजस्थान संपर्क मार्ग पर भारी वाहनों का दबाव, सड़क हुई जर्जर

रिफाइनरी नंबर-9 मार्ग बदहाल गहरे गड्ढों से हादसों का खतरा

स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर दो से तीन फीट तक गहरे गड्ढे बन चुके हैं। बरसात के दौरान इनमें पानी भर जाने से वाहन चालकों को गड्ढों का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। हाल के दिनों में कई वाहन गड्ढों में फंसकर क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, जबकि एक ट्रैक्टर भी अनियंत्रित होकर पलटने से बाल-बाल बचा। ग्रामीणों का आरोप है कि लोक निर्माण विभाग और रिफाइनरी प्रबंधन से कई बार सड़क की मरम्मत की मांग की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी समस्या से अवगत कराया गया, फिर भी सड़क सुधार की दिशा में पहल नहीं हो सकी।

पिलुआ निवासी बच्चू पहलवान और छड़गांव के दलबीर ठाकुर ने बताया कि खराब सड़क के कारण हर दिन दुर्घटना का खतरा बना रहता है। वहीं एक टैंकर चालक ने नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर बताया कि खराब सड़क से वाहनों को लगातार नुकसान हो रहा है, लेकिन मजबूरी में इसी मार्ग से आवागमन करना पड़ता है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से जल्द सड़क की मरम्मत कराकर सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने की मांग की है।

बीएसए इंजीनियरिंग के आदित्य का आईआईटी हैदराबाद में चयन

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मथुरा के बी.टेक. इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग अंतिम वर्ष के मेधावी छात्र आदित्य बाघवाला ने अपनी प्रतिभा और कठिन परिश्रम के बल पर देश के प्रतिष्ठित आईआईटी हैदराबाद में एम.टेक. (माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स एवं वीएलएसआई) पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त कर संस्थान और अपने परिवार का नाम गौरवान्वित किया है। आदित्य ने राष्ट्रीय स्तर की गेट-2026 परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया 726वीं रैंक प्राप्त की। इसी उपलब्धि के आधार पर उन्हें आईआईटी हैदराबाद में प्रवेश मिला।

छात्र आदित्य बाघवाला को शुभकामनाएँ देते चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल।

अपनी सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आदित्य बाघवाला ने इसका श्रेय अपने माता-पिता के आशीर्वाद, ईसीई विभाग के सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण और शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने विभागाध्यक्ष रंजीत सिंह, शिक्षक रजनीश यादव, आशुतोष दुबे, फरहान अजीज, विनय गुप्ता, अनुराधा गुप्ता और डॉ. दीपक अग्रवाल के प्रति विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और निरंतर सहयोग के बिना यह उपलब्धि संभव नहीं थी।

इस अवसर पर संस्थान के चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल ने आदित्य को बधाई देते हुए कहा कि आईआईटी हैदराबाद जैसे प्रतिष्ठित संस्थान में प्रवेश प्राप्त करना अत्यंत गौरव और सम्मान की बात है। विश्वास है कि आदित्य अपनी प्रतिभा, मेहनत और समर्पण से भविष्य में भी नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा, संस्थान का नाम रोशन करेगा।

वाइस चेयरमैन इं. नितिन मित्तल और निदेशक प्रो. श्याम सुंदर अग्रवाल ने भी आदित्य को शुभकामना देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों की उल्लेखनीय सफलता संस्थान की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण का प्रमाण है, अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत भी हैं।

विद्यापीठ पाठशाला में कराया अग्नि सुरक्षा मॉक ड्रिल

विद्यार्थियों को सुरक्षा के उपाय बताते एफएस यूनिट के एएसआई विनोद शर्मा।

यूनिक समय, मथुरा। विद्यापीठ पाठशाला में एफएस (फायर सर्विस) यूनिट द्वारा अग्नि सुरक्षा को लेकर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों, शिक्षकों और विद्यालय स्टाफ को आग लगने की स्थिति में सुरक्षित तरीके से बाहर निकलने, घबराने से बचने, प्राथमिक बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। फायर बिग्रेड के एएसआई विनोद शर्मा ने अग्निशमन यंत्रों के सही उपयोग का व्यावहारिक प्रदर्शन करते हुए बताया कि समय रहते सतर्कता और सही कदम उठाकर बड़ी दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है।

विद्यार्थियों को बताए बचाव के उपाय

मॉक ड्रिल के दौरान स्कूल परिसर को सुरक्षित तरीके से खाली कराने का अभ्यास भी कराया गया। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ इसमें भाग लिया और अग्नि सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। उन्होंने बताया कि किसी भी आपात स्थिति में धैर्य बनाए रखें, तुरंत फायर विभाग को सूचना दें।

युवाओं के साथ खिलवाड़ कर रही भाजपा

यूनिक समय, मथुरा। आम आदमी पार्टी यूथ विंग उत्तर प्रदेश के पूर्व प्रदेश कमेटी सदस्य आदेश शर्मा ने कहा कि बीजेपी सरकार देश के करोड़ों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। 18 जुलाई को जंतर-मंतर पर जो हुआ, वह लोकतंत्र के लिए काला दिन है ।

उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक आवाज को दबाने के लिए प्रशासन पर दबाव बनाया गया, ताकि इस आंदोलन को खत्म किया जा सके। सरकार का यह व्यवहार सत्ता के अहंकार को दिखाता है, जहां किसानों, महिलाओं और अब युवाओं की आवाज को लाठियों और आंसू गैस के गोलों से दबाने की कोशिश की जा रही है। आज देश का युवा बेरोजगारी और पेपर लीक जैसी समस्याओं को लेकर बहुत परेशान है। सरकार को युवाओं के मुद्दों पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। देश की तरक्की के लिए यह बहुत जरूरी है कि युवाओं का भविष्य सुरक्षित रहे। आप नेता ने मांग की है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा तुरंत लिया जाए।

भव्य भंडारे के साथ हुई जाहरवीर की कथा

यूनिक समय, बाजना। कस्बा में जाहरवीर बाबा की कथा का समापन भंडारे के साथ हुआ। धार्मिक आयोजन में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, जहां सभी ने पूरी श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ बाबा का प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन स्थल पर पूरा वातावरण भक्तिमय नजर आया। श्रद्धालुओं द्वारा लगाए गए जाहरवीर के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिरस से सराबोर हो गया। स्थानीय नागरिकों और आयोजन समिति के सक्रिय सहयोग से यह धार्मिक अनुष्ठान पूरी भव्यता और सफलता के साथ हुआ। आयोजन में मुन्ना लाल वार्ष्णेय, धनीराम वार्ष्णेय, हरीश वार्ष्णेय (पप्पू), विष्णु वार्ष्णेय, आनंद वार्ष्णेय, ज्ञानप्रकाश वार्ष्णेय, नाहर सिंह, मूला टाकुर, बंटी हलवाई, चेतन मिस्त्री, सौरव वार्ष्णेय, लव वार्ष्णेय, ईशान वार्ष्णेय (ईशु), हरीश वार्ष्णेय, शुभे सिंह, महेश वार्ष्णेय, मुकुट पाठक, प्रशांत मास्टर और देवी राम भक्त जी सहित क्षेत्र के तमाम श्रद्धालु उपस्थित रहे।

शेरगढ़ में निजी खर्च से बनी पुलिया वर्षों पुरानी समस्या से मिली राहत

यूनिक समय, शेरगढ़। कस्बा के देवी मंदिर वाली गली में लंबे समय से जर्जर पड़ी पुलिया और क्षतिग्रस्त नाली के कारण स्थानीय लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। बरसात के दिनों में स्थिति और गंभीर हो जाती थी, जिससे राहगीरों, स्कूली बच्चों और बुजुर्गों को आवाजाही में दिक्कत होती थी। समस्या के समाधान के लिए कई बार मांग उठने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो सकी।

ऐसे में जनसेवक और बीएचके स्कूल के प्रबंधक कुंवर पायला ने सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए अपनी निजी धनराशि से पुलिया और नाली का निर्माण कार्य कराया। निर्माण पूरा होने के बाद स्थानीय लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिली है, क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पुलिया के टूटे होने से आए दिन दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती थी। अब नई पुलिया बनने से न केवल लोगों की आवाजाही आसान हो गई है, बल्कि जल निकासी की व्यवस्था भी बेहतर हुई है। ग्रामीणों ने इस पहल को समाज के लिए प्रेरणादायक बताते हुए कुंवर पायला का आभार व्यक्त किया।

35 के बाद न करें सेहत से समझौता

ये मेडिकल जाँच समय रहते बचा सकते हैं बड़ी बीमारियों से

यूनिक समय, नई दिल्ली। 35 वर्ष की उम्र पार करने के बाद पुरुषों के शरीर में कई ऐसे बदलाव शुरू हो जाते हैं, जिनका असर तुरंत दिखाई नहीं देता। व्यस्त दिनचर्या तनाव, अनियमित खानपान और शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हार्ट डिजीज और कोलेस्ट्रॉल जैसी बीमारियां चुपचाप शरीर में घर कर सकती हैं। इसलिए विशेषज्ञ समय-समय पर जरूरी हेल्थ चेकअप कराने की सलाह देते हैं, ताकि गंभीर बीमारी का पता शुरुआती चरण में ही लग सके और समय रहते इलाज शुरू किया जा सके।

सबसे पहले लिपिड प्रोफाइल टेस्ट कराना जरूरी है। यह शरीर में गुड और बैड कोलेस्ट्रॉल के स्तर की जानकारी देता है। कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है। इसके साथ ब्लड प्रेशर की नियमित जांच भी बेहद जरूरी है, क्योंकि हाई बीपी अक्सर बिना किसी लक्षण के शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को नुकसान पहुंचाता है।

फास्टिंग ब्लड शुगर और एचबीए 1 सी टेस्ट डायबिटीज और प्रीडायबिटीज की समय रहते पहचान करने में मदद करते हैं। वहीं लिवर फंक्शन टेस्ट (एलएफटी) और किडनी फंक्शन टेस्ट (केएफटी) यह बताते हैं कि शरीर के ये दोनों महत्वपूर्ण अंग सही तरीके से काम कर रहे हैं या नहीं, खासकर उन लोगों के लिए जो नियमित दवाएं लेते हैं या बाहर का भोजन अधिक करते हैं।

इसके अलावा विटामिन बी12 और विटामिन डी3 की जांच भी जरूरी मानी जाती है। इनकी कमी से कमजोरी, हड्डियों में दर्द, थकान और नसों से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। यदि लगातार लो एनर्जी, वजन बढ़ना, चिड़चिड़ापन या थकान महसूस हो रही हो, तो टेस्टोस्टेरोन और थायराइड टेस्ट भी कराना चाहिए। नियमित हेल्थ चेकअप न केवल बीमारियों की समय पर पहचान कराते हैं, बल्कि स्वस्थ और सक्रिय जीवन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डॉक्टर की सलाह के अनुसार साल में एक बार इन जांचों को कराना बेहतर माना जाता है।

मानसून में पाएं नेचुरल ग्लो, इन फेस पैक से चमकेगी त्वचा

यूनिक समय, नई दिल्ली। मानसून का मौसम गर्मी से राहत जरूर देता है, लेकिन बढ़ी हुई नमी और उमस त्वचा की परेशानियां भी साथ लेकर आती है। इस दौरान चेहरे पर चिपचिपाहट, अतिरिक्त तेल, मुंहासे, रैशेज और बेजानपन जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं।

ऐसे में महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स पर निर्भर रहने के बजाय घर में मौजूद प्राकृतिक चीजों से बने फेस पैक त्वचा की देखभाल का बेहतर विकल्प साबित हो सकते हैं। ये न केवल त्वचा को पोषण देते हैं, बल्कि उसकी प्राकृतिक चमक भी बनाए रखने में मदद करते हैं।

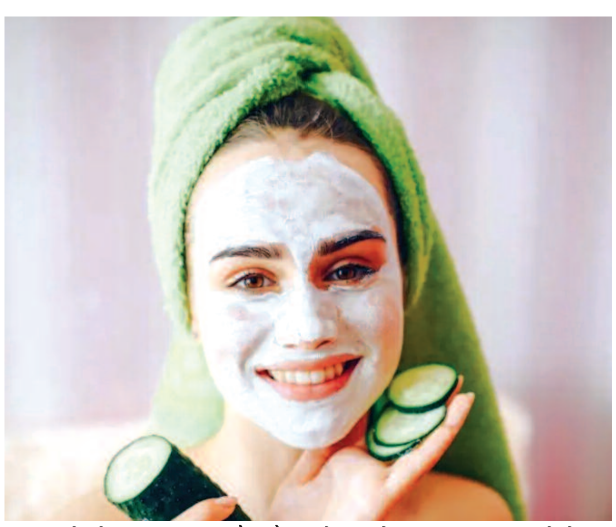

मानसून में नीम और हल्दी का फेस पैक सबसे प्रभावी माना जाता है। नीम की पत्तियों का पेस्ट, हल्दी और गुलाब जल मिलाकर तैयार किए गए इस पैक को 15 मिनट तक चेहरे पर लगाने से बैक्टीरिया और फंगल संक्रमण का खतरा कम होता है। साथ ही मुंहासों से राहत मिलती है और त्वचा की रंगत निखरती है।

यदि आपकी त्वचा ऑयली है, तो बेसन, दही और नींबू का मिश्रण फायदेमंद हो सकता है। दो चम्मच बेसन, एक चम्मच ताजा दही और कुछ बूंदें नींबू का रस मिलाकर तैयार पेस्ट को 20 मिनट तक चेहरे पर लगाएं। बेसन अतिरिक्त तेल सोखता है, दही त्वचा को नमी देता है और नींबू दाग-धब्बों को हल्का करने में मदद करता है।

नीम, हल्दी, बेसन, दही और एलोवेरा जैसे प्राकृतिक तत्व देंगे स्किन को पोषण

उमस के कारण होने वाली जलन और रैशेज से राहत पाने के लिए खीरा और एलोवेरा का फेस पैक भी बेहतरीन विकल्प है। कद्दूकस किए हुए खीरे और ताजा एलोवेरा जेल का मिश्रण ठंडा करके चेहरे पर लगाने से त्वचा को गहराई से हाइड्रेशन मिलता है और ठंडक का एहसास होता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, इन प्राकृतिक फेस पैक का सप्ताह में दो से तीन बार इस्तेमाल करने के साथ पर्याप्त पानी पीना, चेहरा साफ रखना और संतुलित आहार लेना भी स्वस्थ और दमकती त्वचा के लिए जरूरी है। मानसून में थोड़ी अतिरिक्त देखभाल आपकी त्वचा को लंबे समय तक स्वस्थ और चमकदार बनाए रख सकती है।

बारिश में हेलमेट से आती है बदबू, ये आसान उपाय मिनटों में करेंगे समस्या दूर

यूनिक समय, नई दिल्ली। मानसून के मौसम में दोपहिया वाहन चालकों के सामने सबसे आम समस्याओं में से एक हेलमेट से आने वाली बदबू है। लगातार बारिश, पसीना और नमी के कारण हेलमेट के अंदर बैक्टीरिया पनपने लगते हैं, जिससे तेज दुर्गंध के साथ डैंड्रफ, बाल झड़ने और त्वचा संक्रमण जैसी परेशानियां भी बढ़ सकती हैं। हालांकि, नया हेलमेट खरीदने की जरूरत नहीं है। कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाकर इस समस्या से आसानी से छुटकारा पाया जा सकता है। सबसे पहले हेलमेट की अंदरूनी पैडिंग को नियमित रूप से साफ करें। यदि पैडिंग हटाई जा सकती है, तो उसे हल्के डिटर्जेंट या एंटी-बैक्टीरियल लिक्विड में 15 से 20 मिनट भिगोकर धो लें और पूरी तरह सूखने के बाद ही दोबारा लगाएं। यदि पैडिंग नहीं निकलती, तो हेलमेट के अंदर थोड़ा बेकिंग सोडा छिड़ककर रातभर छोड़ दें। यह नमी और बदबू दोनों को सोख लेता है।

दुर्गंध दूर करने के लिए सफेद सिरका और पानी का घोल भी असरदार माना जाता है। दोनों को बराबर मात्रा में मिलाकर हेलमेट के अंदर हल्का स्प्रे करें और उसे हवादार जगह पर सूखने दें। सिरके की गंध सूखने के साथ अपने आप खत्म हो जाती है।

अगर तुरंत बाहर निकलना हो, तो ड्राई शैम्पू या फैब्रिक रिफ्रेशर स्प्रे का इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे पसीने की नमी कम होती है और हेलमेट में ताजगी बनी रहती है। विशेषज्ञों की सलाह है कि हेलमेट पहनने से पहले सिर पर कॉटन स्कल कैप, बालाक्लावा या साफ रुमाल जरूर पहनें।

इससे पसीना सीधे हेलमेट की फोम तक नहीं पहुंचता और बदबू बनने की संभावना काफी कम हो जाती है। नियमित सफाई और इन आसान उपायों को अपनाकर मानसून में भी हेलमेट को साफ, सुरक्षित और ताजा रखा जा सकता है।

काशी विश्वनाथ, सोमनाथ, महाकाल, त्र्यंबकेश्वर, ओंकारेश्वर और भीमाशंकर में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड

काशी से महाकाल तक इन दिव्य धामों में मिलेगा आस्था का अद्भुत अनुभव

यूनिक समय, नई दिल्ली। भगवान शिव को समर्पित सावन का पवित्र महीना शुरू होते ही देशभर के शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी है। इस दौरान यदि आप धार्मिक यात्रा की योजना बना रहे हैं तो देश के छह प्रसिद्ध शिव मंदिर आपकी आस्था, आध्यात्मिक शांति और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर यात्रा को यादगार बना सकते हैं। काशी विश्वनाथ से लेकर महाकालेश्वर और सोमनाथ तक हर धाम की अपनी अलग धार्मिक मान्यता और ऐतिहासिक पहचान है। सावन में यहां विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और भव्य आरती का अद्भुत नजारा देखने को मिलता है।

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गंगा तट पर स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर को शिव भक्तों का सबसे बड़ा आस्था का केंद्र माना जाता है। मान्यता है कि यहां दर्शन करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। सावन के दौरान गंगा आरती और बाबा विश्वनाथ के दर्शन श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर देते हैं। वाराणसी रेल, सड़क और हवाई मार्ग से देश के प्रमुख शहरों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है।

महाराष्ट्र के नासिक के पास स्थित त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग अपनी प्राचीन वास्तुकला और शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। मानसून में यहां की हरियाली इसकी खूबसूरती को कई गुना बढ़ा देती है। वहीं गुजरात के प्रभास पाटन में समुद्र तट पर स्थित सोमनाथ मंदिर, 12 ज्योतिर्लिंगों में प्रथम माना जाता है। समुद्र की लहरों के बीच होने वाली शाम की आरती श्रद्धालुओं को अविस्मरणीय अनुभव कराती है।

मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग अपनी प्रसिद्ध भस्म आरती के कारण दुनियाभर में जाना जाता है। सावन में यहां लाखों श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन के

लिए पहुंचते हैं। उज्जैन रेलवे स्टेशन से मंदिर की दूरी लगभग 15 से 20 मिनट है। इसी राज्य में नर्मदा नदी के मध्य मंधाता द्वीप पर स्थित ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग भी श्रद्धा का प्रमुख केंद्र है। 'ॐ' आकार वाले इस द्वीप की परिक्रमा और शांत वातावरण भक्तों को आध्यात्मिक सुकून का अनुभव कराते हैं। महाराष्ट्र की सह्याद्रि पर्वतमाला के बीच बसा भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग प्रकृति और आस्था का अनूठा संगम है। बारिश के मौसम में यहां की हरियाली, झरने और पहाड़ी रास्ते यात्रा को और भी रोमांचक बना देते हैं। सावन में यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक और विशेष पूजा के लिए पहुंचते हैं। यदि आप इस सावन आध्यात्मिक यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो ये छह प्रसिद्ध शिव धाम न केवल आपकी धार्मिक आस्था को नई ऊर्जा देंगे, बल्कि इतिहास, संस्कृति और प्राकृतिक सुंदरता का ऐसा अनुभव भी कराएंगे जिसे आप लंबे समय तक याद रखेंगे। सावन के पावन अवसर पर इन ज्योतिर्लिंगों की यात्रा शिवभक्तों के लिए श्रद्धा, विश्वास और आत्मिक शांति का अनुपम संगम साबित हो सकती है।

सुविचार

ख्वाब वही पूरे होते हैं, जिनके लिए दिल हर रोज मेहनत करता है।

कल का पंचांग

तिथि	द्वादशी	11:34-01:58 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	ज्येष्ठा	04:36-07:34 तक	माह	आषाढ़
सूर्योदय		5:43 AM	चन्द्रोदय	04:10 PM
सूर्यास्त		7:08 PM	चंद्रास्त	02:22 AM
सूर्य राशि		कर्क राशि	चंद्र	वृश्चिक राशि
शुभ मुहूर्त		11:58AM – 12:52 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		09:04 AM: 10:45 AM	वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष राशिः कल आत्मविश्वास बढ़ेगा, कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें, नए अवसर मिलेंगे।

वृषभ राशिः कल मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। व्यापार में लाभ के संकेत हैं। रिश्तों में मधुरता आएगी, स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

मिथुन राशिः नए विचार सफलता दिलाएंगे। नौकरी में प्रगति होगी। यात्रा लाभकारी रहेगी। परिवार में खुशियां आएंगी, धन संबंधी स्थिति मजबूत होगी।

कर्क राशिः कल भावनाओं पर नियंत्रण रखें। कार्यों में सफलता मिलेगी। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी, आर्थिक स्थिति सामान्य बनी रहेगी।

सिंह राशिः नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी। महत्वपूर्ण निर्णय लाभदायक होंगे। करियर में उन्नति मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना जरूरी रहेगा।

कन्या राशिः कल योजनाएं सफल होंगी। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। धन लाभ के योग हैं। परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी।

तुला राशिः रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। व्यापार में लाभ होगा। रिश्तों में सुधार आएगा।

वृश्चिक राशिः कल आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिलेंगी। धन लाभ होगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, परिवार साथ देगा।

धनु राशिः भाग्य का साथ मिलेगा। रुके कार्य पूरे होंगे। शिक्षा और करियर में सफलता मिलेगी। यात्रा के योग बनेंगे।

मकर राशिः कल मेहनत रंग लाएगी। व्यापार में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार में प्रेम और सहयोग बढ़ेगा।

कुंभ राशिः नई योजनाओं पर काम सफल होगा। सामाजिक सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, धन लाभ होगा।

मीन राशिः कल सकारात्मक सोच लाभ देगी। कार्यों में सफलता मिलेगी। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा।

आदिशक्ति से प्रकट हुई सृष्टि, देवताओं की जननी बनीं जगदंबा

देवी भागवत में आदिशक्ति का दिव्य स्वरूप वर्णित

शक्ति से ब्रह्मा, विष्णु, महेश प्रकट होने की है मान्यता

प्रतिवर्ष शक्तिपीठों में उमड़ती श्रद्धालुओं की अटूट आस्था

यूनिक समय, मथुरा। सनातन धर्म की शाक्त परंपरा में आदिशक्ति को समस्त सृष्टि की मूल शक्ति और देवताओं की जननी माना गया है। देवी भागवत पुराण के अनुसार सृष्टि के आरंभ में केवल आदिशक्ति ही विद्यमान थीं। उनकी इच्छा से सृष्टि की रचना का क्रम प्रारंभ हुआ और ब्रह्मा, विष्णु तथा महेश का प्राकट्य हुआ। इसी कारण उन्हें जगतजननी, विश्वमाता और समस्त देवशक्तियों का मूल स्त्रोत कहा जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार आदिशक्ति ही सृष्टि की सृजन, पालन और संहार की आधारशक्ति हैं। उन्हें दुर्गा, महाकाली, महालक्ष्मी, महासरस्वती, चामुंडा और भुवनेश्वरी सहित अनेक स्वरूपों में पूजा जाता है। धर्माचार्यों का मानना है कि ब्रह्मा को सृष्टि की रचना, विष्णु को पालन और शिव को संहार का कार्य करने की शक्ति भी आदिशक्ति से ही प्राप्त हुई। यही कारण है कि नवरात्र जैसे पर्वों में देवी उपासना का विशेष महत्व माना जाता है।

आदिशक्ति की आराधना केवल ग्रंथों तक सीमित नहीं है, बल्कि देशभर के प्रसिद्ध शक्तिपीठों और देवी मंदिरों में उनकी अनादि परंपरा आज भी जीवंत है। धार्मिक मान्यता के अनुसार भारत और आसपास के क्षेत्रों में स्थित 51 या 52 शक्तिपीठों में माता सती के अंग, आभूषण या वस्त्र गिरे थे, जिनके कारण ये स्थान अत्यंत पवित्र माने जाते हैं। इनमें वैष्णो देवी (जम्मू–कश्मीर), कामाख्या (असम), ज्वालामुखी (हिमाचल प्रदेश), विंध्यवासिनी धाम (उत्तर प्रदेश), नैना देवी (हिमाचल प्रदेश), कालीघाट (कोलकाता) और अंबाजी (गुजरात) जैसे देवी मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के प्रमुख केंद्र हैं। नवरात्र, अष्टमी और चैत्र व शारदीय पर्वों के दौरान इन मंदिरों में लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

धार्मिक विद्वानों के अनुसार शक्ति दर्शन का उद्देश्य केवल देवी की आराधना नहीं, बल्कि यह संदेश देना भी है कि समस्त सृष्टि एक ही परम शक्ति से संचालित होती है।

हालांकि, वैष्णव और शैव परंपराओं में सृष्टि की उत्पत्ति के अलग–अलग पौराणिक वर्णन मिलते हैं। इसलिए सनातन धर्म में इन सभी मतों को अलग–अलग आध्यात्मिक दृष्टिकोणों के रूप में सम्मान दिया जाता है। आदिशक्ति की उपासना आज भी श्रद्धा, शक्ति, करुणा और आत्मबल का प्रतीक मानी जाती है।

मजिस्ट्रेट महादेव की अनोखी कचहरी जहां मिलता अंतिम न्याय

यूनिक समय, मथुरा। देश में कई ऐसे मंदिर हैं, जो अपनी अनोखी मान्यताओं और चमत्कारी कथाओं के कारण प्रसिद्ध हैं। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले के गिरगांव में स्थित भगवान शिव का मंदिर भी ऐसी ही विशेष पहचान रखता है। यहां महादेव को भक्त 'मजिस्ट्रेट महादेव' के नाम से पुकारते हैं। मान्यता है कि इस मंदिर में आने वाले लोगों के विवादों का समाधान महादेव के सामने ही हो जाता है और उनका फैसला अंतिम माना जाता है।

भक्तों के अनुसार, जब दो पक्ष किसी विवाद को लेकर महादेव के दरबार में पहुंचते हैं तो उन्हें अपनी बात रखने का अवसर मिलता है। लोगों का विश्वास है कि महादेव के सामने कोई झूठ नहीं बोल सकता और सच्चाई स्वयं सामने आ जाती है। पहले यहां छोटे

विवादों, जैसे चोरी या आपसी झगड़ों के समाधान के लिए लोग आते थे, लेकिन समय के साथ जमीन–जायदाद और आर्थिक विवादों को लेकर भी लोगों की आस्था बढ़ती गई।

माना जाता है कि यह मंदिर करीब एक हजार वर्ष पुराना है। मंदिर में भगवान शिव के साथ पूरा शिव परिवार विराजमान है। धीरे–धीरे यह स्थान केवल पूजा–अर्चना का केंद्र नहीं रहा, बल्कि न्याय और सत्य की आस्था का प्रतीक बन गया।

भक्तों का कहना है कि महादेव

ग्वालियर के मंदिर में विवाद सुलझाने की आस्था

हजार साल पुराना मंदिर बना न्याय का प्रतीक

की इस कचहरी में न लंबी कानूनी प्रक्रिया है और न ही वर्षों का इंतजार। यहां पहुंचने वाले लोग अपनी समस्या भगवान शिव के सामने रखते हैं और समाधान की उम्मीद लेकर लौटते हैं।

हालांकि यह मान्यता आस्था और विश्वास पर आधारित है, लेकिन यह मंदिर लोगों को सत्य, नैतिकता और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। यही कारण है कि 'मजिस्ट्रेट महादेव' की ख्याति दूर–दूर तक फैली हुई है।

गुरु पूर्णिमा पर करें ये चार उपाय जीवन में आएगी सकारात्मकता

यूनिक समय, मथुरा। गुरु पूर्णिमा का पर्व इस बार 29 जुलाई को मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह दिन गुरु के प्रति श्रद्धा, आभार और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेने का विशेष अवसर होता है। फरीदाबाद के महंत कामेश्वरानंद वेदांताचार्य के अनुसार गुरु जीवन को अज्ञान से ज्ञान की ओर ले जाने का कार्य करते हैं। माता–पिता से लेकर शिक्षक और जीवन में मार्ग दिखाने वाले हर व्यक्ति का स्थान गुरु के समान माना गया है।

गुरु पूर्णिमा पर भगवान शिव और हनुमान जी की आराधना करने का विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि शिवलिंग पर जल अर्पित करने, हनुमान जी का स्मरण करने और भगवद गीता का पाठ करने से मन शांत होता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। धार्मिक

गुरु कृपा से मिलेगा सही मार्गदर्शन

शिव हनुमान पूजा से मिलेगा लाभ

विशेषज्ञों के अनुसार श्रद्धा और विश्वास के साथ किए गए ये उपाय व्यक्ति को जीवन में सही दिशा चुनने की प्रेरणा देते हैं।

चंद्रदेव की तपस्या से बना सोमवार शिवजी का सबसे प्रिय दिन

यूनिक समय, मथुरा। सप्ताह का प्रत्येक दिन किसी न किसी देवी–देवता और ग्रह को समर्पित माना जाता है, लेकिन सोमवार का विशेष महत्व भगवान शिव की आराधना के लिए है। विशेषकर सावन के महीने में सोमवार को शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन भगवान शिव की पूजा और व्रत करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं तथा जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का आगमन होता है।

सोमवार का संबंध 'सोम' यानी चंद्रमा से माना जाता है। पौराणिक कथा के अनुसार, चंद्रदेव को उनके ससुर प्रजापति दक्ष के श्राप के कारण क्षय रोग हो गया था और उनका तेज लगातार

क्षीण होने लगा। संकट से मुक्ति पाने के लिए चंद्रदेव ने भगवान शिव की कठोर तपस्या की। उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने न केवल उन्हें श्राप से राहत दी, बल्कि अपने मस्तक पर भी धारण किया। तभी से भगवान शिव चंद्रशेखर और सोमनाथ के नाम से भी पूजे जाते हैं। इसी घटना के कारण सोमवार को शिव पूजा का विशेष दिन माना गया।

धार्मिक मान्यता है कि सोमवार का व्रत और शिव पूजा करने से मानसिक

सावन सोमवार व्रत देता सुख, शांति और समृद्धि

शिवजी ने चंद्रमा को बचाया, तभी पवित्र बना सोमवार का दिन

शांति, पारिवारिक सुख और सकारात्मक ऊ र्जा प्राप्त होती है। ज्योतिष के अनुसार, जिन लोगों की कुंडली में चंद्रमा कमजोर होता है या चंद्र दोष होता है, उनके लिए सोमवार का व्रत और भगवान शिव का जलाभिषेक विशेष फलदायी माना जाता है। मान्यता है कि 16 सोमवार का व्रत करने से योग्य और मनचाहा जीवनसाथी मिलने की संभावना बढ़ती है। अविवाहित युवक–युवतियां विवाह में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए यह व्रत रखते हैं। वहीं सावन माह में किए गए सोमवार व्रत का महत्व और अधिक बढ़ जाता है, क्योंकि यह महीना भगवान शिव का अत्यंत प्रिय माना गया है। धार्मिक विद्वानों का कहना है कि सच्ची श्रद्धा, संयम और नियमपूर्वक की गई शिव आराधना व्यक्ति के जीवन में आत्मविश्वास, मानसिक संतुलन और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करती है। यही कारण है कि सावन के सोमवार आज भी करोड़ों श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का केंद्र बने हुए हैं।

सम्पादकीय

नकली नोटों का स्टार्टअप असली व्यवस्था हुई फेल

उत्तर प्रदेश और राजस्थान की सीमाएं भले अलग हों, लेकिन अपराध का नेटवर्क अब नक्शे नहीं देखता। राजस्थान में पकड़े गए नकली नोट गिरोह की कहानी केवल एक राज्य की आपराधिक घटना नहीं है, बल्कि यह पूरे उत्तर भारत, विशेषकर उत्तर प्रदेश के लिए गंभीर चेतावनी है। दिल्ली, नोएडा, फरीदाबाद, दौसा, अजमेर और फिर यूपी तक फैले इस नेटवर्क ने साफ कर दिया कि अपराधी अब किसी छोटे-मोटे जाल में नहीं, बल्कि कॉर्पोरेट मॉडल पर काम कर रहे हैं। व्यंग्य देखिए, देश में "स्टार्टअप इंडिया" की चर्चा है और उधर अपराधियों ने भी अपना "फेक करेंसी स्टार्टअप" खड़ा कर लिया। कोई प्रोडक्शन हेड, कोई मार्केटिंग मैनेजर, कोई सप्लाई चेन इंचार्ज और कोई रीजनल हेड। फर्क सिर्फ इतना था कि इनका कारोबार देश की अर्थव्यवस्था और आम लोगों के भरोसे पर हमला कर रहा था।

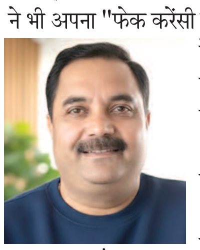

पवन गौतम
संपादक

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि नकली नोटों में गांधीजी का वाटरमार्क, सिल्वर लाइन और अलग-अलग सीरियल नंबर तक तैयार किए जा रहे थे। यानी तकनीक का इस्तेमाल नवाचार के लिए नहीं, बल्कि धोखाधड़ी को और "प्रोफेशनल" बनाने के लिए किया जा रहा था। जब अपराधी तकनीक के साथ इतने तेजी से आगे बढ़ रहे हों, तब जांच एजेंसियों और बैंकिंग तंत्र को भी उसी गति से खुद को आधुनिक बनाना होगा। उत्तर प्रदेश के लिए यह मामला इसलिए और महत्वपूर्ण है क्योंकि नोएडा, अलीगढ़ और दिल्ली से जुड़े इलाकों का उल्लेख इस पूरे नेटवर्क में सामने आया है। प्रदेश का विशाल बाजार, रोजाना होने वाले करोड़ों के नकद लेन-देन और सीमावर्ती राज्यों से आसान संपर्क ऐसे गिरोहों के लिए अवसर बन सकते हैं।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

छोटे दुकानदार, सब्जी विक्रेता, पेट्रोल पंप और ग्रामीण बाजार अक्सर ऐसे नकली नोटों के पहले शिकार बनते हैं। इस घटना से एक और सवाल उठता है-क्या आम नागरिक नकली नोट पहचानने के प्रति पर्याप्त जागरूक है? यदि नहीं, तो केवल पुलिस कार्रवाई काफी नहीं होगी। बैंकों, व्यापारिक संगठनों और प्रशासन को मिलकर जनजागरूकता अभियान चलाने होंगे, ताकि लोग नोटों की सुरक्षा विशेषताओं को पहचान सकें। व्यंग्य यही है कि अपराधियों ने "मेक इन इंडिया" का अर्थ ही बदल दिया-घर में प्रिंटर लगाए, नोट छापे और बाजार में उतार दिए। लेकिन कानून का संदेश भी उतना ही स्पष्ट होना चाहिए कि नकली कारोबार की यह "फैक्ट्री" चाहे कहीं भी लगे, उसका अंतिम पता जेल ही होगा। नकली नोट केवल कागज का टुकड़ा नहीं होते, वे अर्थव्यवस्था, बाजार और विश्वास-तीनों पर हमला होते हैं। इसलिए उत्तर प्रदेश समेत पूरे देश को अब नकली नोटों के खिलाफ केवल सतर्क नहीं, बल्कि तकनीकी रूप से और अधिक सक्षम होने की आवश्यकता है।

नजरिया

न्याय के मंदिर में अपराधियों की घुसपैठ कब रुकेगी!

बोध प्रकाश सगुणी

न्यायपालिका को लोकतंत्र का सबसे विश्वसनीय स्तंभ माना जाता है। आम नागरिक जब प्रशासन, राजनीति या व्यवस्था से निराश होता है, तब उसकी अंतिम उम्मीद अदालत होती है। लेकिन यदि न्याय दिलाने वाले तंत्र में ही ऐसे लोग प्रवेश करने लगें, जिन पर आपराधिक मुकदमे हों या जिन्होंने फर्जी डिग्रियों के सहारे वकालत का पेशा अपनाया हो, तो यह केवल एक पेशे का संकट नहीं रह जाता, बल्कि पूरे न्याय तंत्र की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह बन जाता है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की हालिया टिप्पणी और उत्तर प्रदेश से सामने आए आंकड़े इसी गहरी चिंता की ओर संकेत करते हैं।

उत्तर प्रदेश में 5.14 लाख पंजीकृत वकीलों में केवल 2.49 लाख के पास वैध सर्टिफिकेट ऑफ प्रैक्टिस होना बताता है कि व्यवस्था में गंभीर खामियां मौजूद हैं। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह है कि 4,157 वकीलों के खिलाफ 5,056 आपराधिक मामले दर्ज हैं और 105 लोगों की विधि, स्नातक या हाईस्कूल की डिग्रियां फर्जी पाई गई हैं। ये आंकड़े केवल संख्या नहीं हैं, बल्कि न्याय व्यवस्था के भीतर बढ़ती अव्यवस्था की कहानी बयान करते हैं।

वकालत कोई सामान्य व्यवसाय नहीं है। यह ऐसा पेशा है, जो संविधान, कानून और न्याय के मूल्यों की रक्षा करता है। एक वकील केवल अपने मुवक्किल का प्रतिनिधित्व नहीं करता, बल्कि अदालत के प्रति भी उसकी नैतिक जिम्मेदारी होती है। यदि वही व्यक्ति कानून तोड़ने लगे, अपराधियों से सांठगांठ रखने लगे या फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पेशे में प्रवेश करे, तो वह न्याय की प्रक्रिया को भीतर से कमजोर करता है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि कानून की रक्षा कौन करेगा?

इलाहाबाद हाईकोर्ट की यह टिप्पणी कि "कानून का शासन दो बार मरता है-पहली बार जब वकील अपराधी बन जाते हैं और दूसरी बार जब न्यायाधीश साहस की जगह चुप्पी चुनते हैं" केवल एक न्यायिक टिप्पणी नहीं, बल्कि पूरे तंत्र के लिए चेतावनी है। यह संदेश स्पष्ट करता है कि न्यायपालिका की गरिमा केवल अदालतों की इमारतों से नहीं, बल्कि उससे जुड़े लोगों की ईमानदारी और नैतिकता से बनती है।

यह समस्या केवल उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं मानी जानी चाहिए। देशभर में बड़ी संख्या में निजी लॉ कॉलेजों की गुणवत्ता को लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। कई संस्थानों में शिक्षा से अधिक डिग्री बांटने का काम होता है। जब प्रवेश प्रक्रिया, परीक्षा व्यवस्था और डिग्री सत्यापन में पारदर्शिता नहीं होगी, तो फर्जी डिग्रीधारियों के लिए रास्ते अपने-आप खुल जाएंगे। कानून की पढ़ाई केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि न्याय, संविधान और नागरिक अधिकारों की समझ विकसित करने का प्रशिक्षण है। यदि इस प्रशिक्षण की गुणवत्ता गिरती है, तो उसका सीधा असर अदालतों की कार्यप्रणाली पर पड़ता है। बार काउंसिल की भूमिका भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। किसी भी पेशे की गरिमा बनाए रखने के लिए उसके नियामक संस्थान को निष्पक्ष और कठोर होना चाहिए। यदि वर्षों तक बिना सत्यापन के लोग वकालत करते रहें, यदि अनुशासनात्मक कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित रह जाए और यदि फर्जी डिग्री वाले या आपराधिक मामलों में घिरे लोग खुलेआम पेशा करते रहें, तो यह नियामक व्यवस्था की विफलता मानी जाएगी। अब समय आ गया है कि सभी राज्यों में वकीलों का डिजिटल सत्यापन, सर्टिफिकेट ऑफ प्रैक्टिस का नियमित नवीनीकरण और आपराधिक पृष्ठभूमि की अनिवार्य जांच सुनिश्चित की जाए।

हालांकि यह भी उतना ही आवश्यक है कि केवल आरोप के आधार पर किसी व्यक्ति को दोषी न मान लिया जाए। भारतीय न्याय व्यवस्था का मूल सिद्धांत है कि जब तक अदालत दोष सिद्ध न कर दे, तब तक व्यक्ति निर्दोष माना जाता है। इसलिए आपराधिक मामलों के आंकड़ों का उपयोग सावधानी से होना चाहिए। लेकिन जिन मामलों में फर्जी डिग्री, दस्तावेजी धोखाधड़ी या पेशेवर कदाचार सिद्ध हो चुका हो, वहां कठोर कार्रवाई में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं होनी चाहिए।

तकनीक भी इस सुधार की बड़ी साथी बन सकती है। यदि सभी वकीलों की डिग्रियां, पंजीकरण, अभ्यास प्रमाणपत्र और अनुशासनात्मक कार्रवाई का डिजिटल रिकॉर्ड सार्वजनिक पोर्टल पर उपलब्ध हो, तो पारदर्शिता बढ़ेगी। अदालतों में कार्यवाही का डिजिटल रिकॉर्ड, बार एसोसिएशनों के चुनावों में पारदर्शिता और ऑनलाइन शिकायत प्रणाली जैसी व्यवस्थाएं भी सुधार की दिशा में प्रभावी कदम हो सकती हैं।

सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न समाज की अपेक्षाओं का है। अदालत में आने वाला व्यक्ति केवल मुकदमा नहीं लाता, वह अपना विश्वास भी लेकर आता है। उसे भरोसा होता है कि उसका वकील कानून का जानकार होने के साथ-साथ नैतिक रूप से भी विश्वसनीय होगा। यदि यह भरोसा टूटने लगे, तो न्याय व्यवस्था की नींव कमजोर होने लगती है। इसलिए सुधार केवल संस्थागत नहीं, बल्कि नैतिक भी होना चाहिए।

आज आवश्यकता किसी सनसनीखेज बहस की नहीं, बल्कि ठोस सुधारों की है। फर्जी डिग्रीधारियों की पहचान, लंबित सत्यापन प्रक्रिया का समयबद्ध निस्तारण, बार काउंसिल की जवाबदेही, गुणवत्तापूर्ण विधि शिक्षा और पेशेवर आचार संहिता का कड़ाई से पालन-ये ऐसे कदम हैं जो न्याय व्यवस्था को अधिक मजबूत बना सकते हैं।

लोकतंत्र की शक्ति केवल कानून बनाने में नहीं, बल्कि कानून पर लोगों के विश्वास में निहित होती है। यदि न्याय के मंदिर की चौखट पर ही संदेह खड़ा हो जाए, तो समाज में निराशा बढ़ना स्वाभाविक है। इसलिए यह समय आत्ममंथन का है। न्यायपालिका, बार काउंसिल, विधि शिक्षण संस्थानों और सरकार-सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि कानून का पेशा केवल योग्य, ईमानदार और जिम्मेदार लोगों के हाथों में रहे। तभी अदालतें केवल न्याय देने वाली संस्था नहीं, बल्कि जनता के विश्वास का सबसे मजबूत आधार बनी रहेंगी।

विचार विंडो

ऊर्जा भंडारण से आत्मनिर्भर भारत की नई हरित क्रांति

राम प्रकाश शर्मा

भारत की ऊर्जा यात्रा एक ऐसे मोड़ पर पहुंच चुकी है, जहां केवल बिजली उत्पादन पर्याप्त नहीं रह गया है। असली चुनौती यह है कि स्वच्छ ऊर्जा को तब भी उपलब्ध कराया जाए, जब उसकी सबसे अधिक आवश्यकता हो। यही कारण है कि अब ऊर्जा क्षेत्र का केंद्र केवल सौर और पवन ऊर्जा उत्पादन नहीं, बल्कि उसके स्मार्ट भंडारण की ओर तेजी से स्थानांतरित हो रहा है। यह बदलाव भारत को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में नई ऊंचाइयों तक ले जा सकता है।

पिछले एक दशक में भारत ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। देश आज विश्व के अग्रणी सौर ऊर्जा उत्पादकों में शामिल है और वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म विद्युत क्षमता हासिल करने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। यह उपलब्धि निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, लेकिन इसके साथ एक बड़ी चुनौती भी जुड़ी है। सूर्य केवल दिन में ऊर्जा देता है, जबकि बिजली की सबसे अधिक मांग प्रायः शाम और रात के समय होती है। यदि इस अंतर को तकनीक के माध्यम से समाप्त नहीं किया गया, तो नवीकरणीय ऊर्जा का पूरा लाभ समाज तक नहीं पहुंच सकेगा।

यहीं से ऊर्जा भंडारण की भूमिका शुरू होती है। बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस), पंप स्टोरेज परियोजनाएं और ग्रीन हाइड्रोजन जैसी आधुनिक तकनीकें ऊर्जा क्षेत्र में नई क्रांति का आधार बन रही हैं। दिन में उत्पादित अतिरिक्त बिजली को बैटरियों में सुरक्षित रखकर जरूरत के समय उपयोग करना न केवल ग्रिड को स्थिर बनाएगा, बल्कि कोयला आधारित बिजली उत्पादन पर निर्भरता भी कम करेगा। इससे कार्बन उत्सर्जन घटेगा, बिजली की गुणवत्ता सुधरेगी और उपभोक्ताओं को चौबीसों घंटे अधिक विश्वसनीय बिजली मिल सकेगी।

राजस्थान का पूगल सोलर-बैटरी पार्क इस परिवर्तन का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह परियोजना केवल एक राज्य की उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे देश की ऊर्जा नीति में आ रहे बदलाव का संकेत है। अब लक्ष्य केवल अधिक बिजली बनाना नहीं, बल्कि उसे प्रभावी ढंग से सुरक्षित रखकर आवश्यकता के समय उपलब्ध कराना है। यही भविष्य की स्मार्ट ऊर्जा व्यवस्था की पहचान होगी।

ऊर्जा भंडारण की चर्चा केवल बैटरियों तक सीमित नहीं है। ग्रीन हाइड्रोजन भविष्य के सबसे महत्वपूर्ण हरित ईंधनों में माना जा रहा है। सौर और पवन ऊर्जा से पानी का विद्युत अपघटन कर तैयार किया गया ग्रीन हाइड्रोजन भारी

उद्योगों, उर्वरक, रिफाइनरी, जहाजरानी और परिवहन जैसे क्षेत्रों में जीवाश्म ईंधनों का प्रभावी विकल्प बन सकता है। इससे न केवल प्रदूषण कम होगा, बल्कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा भी मजबूत होगी। साथ ही जल, सूर्य और हरित तकनीक का यह समन्वय ऊर्जा क्षेत्र को नई दिशा देगा। भारत के लिए यह परिवर्तन आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। देश हर वर्ष कच्चे तेल, गैस और कोयले के आयात पर भारी विदेशी मुद्रा खर्च करता है। यदि घरेलू स्तर पर स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन और उसका प्रभावी भंडारण सुनिश्चित हो जाता है, तो आयातित ईंधनों पर निर्भरता घटेगी, विदेशी मुद्रा की बचत होगी और वैश्विक ऊर्जा संकटों का प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर अपेक्षाकृत कम पड़ेगा। ऊर्जा आत्मनिर्भरता केवल पर्यावरण का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक सुरक्षा का भी आधार है। इसके साथ ही हरित ऊर्जा क्षेत्र रोजगार और औद्योगिक विकास के नए अवसर भी लेकर आ रहा है। बैटरी निर्माण, सौर मॉड्यूल, इलेक्ट्रोलाइजर, स्मार्ट ग्रिड, ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली और रिसाइक्लिंग उद्योग में लाखों रोजगार सृजित हो सकते हैं। यदि भारत अनुसंधान, नवाचार और घरेलू विनिर्माण को निरंतर बढ़ावा देता है, तो वह केवल हरित ऊर्जा का उपभोक्ता नहीं, बल्कि वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में भी अपनी मजबूत पहचान बना सकता है। हालांकि इस परिवर्तन की राह पूरी तरह आसान नहीं है। बैटरियों के लिए आवश्यक लिथियम, कोबाल्ट और अन्य महत्त्वपूर्ण खनिजों की उपलब्धता, प्रयुक्त बैटरियों का सुरक्षित पुनर्चक्रण, आधुनिक ट्रांसमिशन नेटवर्क का विस्तार, पर्याप्त निवेश और जल संसाधनों का संतुलित उपयोग जैसी चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। विशेष रूप से ग्रीन हाइड्रोजन परियोजनाओं में यह सुनिश्चित करना होगा कि जल का उपयोग टिकाऊऔर स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप हो, ताकि ऊर्जा सुरक्षा और जल सुरक्षा दोनों साथ-साथ आगे बढ़ सकें। आज स्पष्ट हो चुका है कि भविष्य की ऊर्जा व्यवस्था केवल उत्पादन क्षमता से नहीं, बल्कि भंडारण क्षमता से तय होगी। जिस देश के पास ऊर्जा को सुरक्षित रखने और आवश्यकता के अनुरूप उपयोग करने की बेहतर तकनीक होगी, वही ऊर्जा क्षेत्र में नेतृत्व करेगा। भारत ने इस दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा दिए हैं और यदि वर्तमान गति बनी रही तो आने वाले वर्षों में देश दुनिया के लिए हरित ऊर्जा प्रबंधन का सफल मॉडल बन सकता है।

ऊर्जा की वास्तविक क्रांति तब पूरी होगी, जब दिन की धूप रात के अंधेरे को भी उतनी ही सहजता से रोशन कर सके। स्मार्ट भंडारण तकनीकें इसी सपने को साकार करने का माध्यम हैं। यही विकसित भारत की ऊर्जा नीति का नया अध्याय है और यही आत्मनिर्भर, स्वच्छ तथा टिकाऊभविष्य की सबसे बड़ी आधारशिला भी।

डब्ल्यूटीसी फाइनल की दौड़ में दोनों टीमों के लिए अहम मुकाबला

डब्ल्यूटीसी की जंग में आमने-सामने होंगे पाकिस्तान-वेस्टइंडीज

यूनिक समय, नई दिल्ली। क्रिकेट प्रेमियों के लिए टेस्ट क्रिकेट का रोमांच एक बार फिर लौटने जा रहा है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के तहत वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 25 जुलाई से होगा। भारतीय समयानुसार पहला मुकाबला शाम 7:30 बजे शुरू होगा और खेल देर रात तक चलेगा।

इस सीरीज के साथ ही डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में भी बदलाव देखने को मिलेगा, क्योंकि दोनों टीमों के लिए हर मुकाबला बेहद अहम है।

दोनों देशों के बीच पहला टेस्ट वेस्टइंडीज में खेला जाएगा। चूंकि मैच कैरैबियाई समय के अनुसार आयोजित होगा, इसलिए भारतीय दर्शकों को इसका रोमांच शाम से लेकर देर रात तक देखने को मिलेगा। अगर पूरे 90 ओवरों का खेल होता है तो मुकाबला लगभग रात तीन बजे तक जारी रह सकता है।

इस सीरीज की सबसे बड़ी चर्चा पाकिस्तान की कप्तानी को लेकर है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एक बार फिर अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम को टेस्ट टीम की कमान सौंप दी है। लंबे अंतराल के बाद बाबर कप्तान के रूप में मैदान पर उतरेंगे और उनकी कोशिश टीम को जीत की राह पर लौटाने की होगी। दूसरी ओर वेस्टइंडीज भी घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाकर अंक तालिका में सुधार करना चाहेगा।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की मौजूदा अंक तालिका में दोनों टीमों की स्थिति मजबूत नहीं है। वेस्टइंडीज नौ टीमों में आठवें स्थान पर है। उसने अब तक 10 टेस्ट खेले हैं, जिनमें सिर्फ एक जीत दर्ज की है, जबकि सात मुकाबलों में हार और दो मैच ड्रॉ रहे हैं। वहीं पाकिस्तान चार टेस्ट में केवल एक जीत के साथ सबसे निचले यानी नौवें स्थान पर है। ऐसे में इस सीरीज का नतीजा दोनों टीमों की अंक प्रतिशत पर सीधा असर डालेगा।

भारतीय दर्शक इस टेस्ट सीरीज का सीधा प्रसारण फैनकोड ऐप पर देख सकेंगे। टेस्ट क्रिकेट के पारंपरिक रोमांच के बीच यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए आत्मविश्वास हासिल करने का भी बड़ा अवसर होगा।

इस बीच आईसीसी पहले ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के फाइनल का कार्यक्रम घोषित कर चुका है। खिताबी मुकाबला 9 से 13 जून 2027 तक इंग्लैंड के प्रतिष्ठित द ओवल मैदान पर खेला जाएगा। फिलहाल ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका अंक तालिका में शीर्ष दो स्थानों पर काबिज हैं, जबकि भारत पांचवें स्थान पर है। ऐसे में वेस्टइंडीज और पाकिस्तान की यह सीरीज भले ही शीर्ष टीमों की स्थिति पर बड़ा असर न डाले, लेकिन दोनों टीमों के लिए फाइनल की दौड़ में बने रहने और अंक सुधारने का यह महत्वपूर्ण मौका साबित होगी।

61 साल बाद भी नहीं फीका पड़ा इस गीत का जादू

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा के सदाबहार गीतों की बात हो और 'ये समा, समा है ये प्यार का' का जिक्र न हो, ऐसा संभव नहीं। वर्ष 1965 में रिलीज फिल्म 'जब जब फूल खिले' का यह रोमांटिक गीत आज भी छह दशक बाद संगीत प्रेमियों की प्लेलिस्ट में अपनी खास जगह बनाए हुए है। लता मंगेशकर की मधुर आवाज, आनंद बख्शी के भावपूर्ण बोल, कल्याणजी-आनंदजी का मधुर संगीत और कश्मीर की खूबसूरत वादियों ने इस गीत को कालजयी बना दिया। इस गीत की शूटिंग जम्मू-कश्मीर की प्रसिद्ध डल झील में की गई थी, जहां शिकारे पर सफेद गाउन में नजर आईं अभिनेत्री नंदा ने अपनी सादगी और खूबसूरती से दर्शकों का दिल जीत लिया। वहीं शशि कपूर की मासूम अदाएं और दोनों की शानदार स्क्रीन केमिस्ट्री ने गीत की रोमांटिक खूबसूरती को और भी यादगार बना दिया। चांदनी रात, शांत झील और पहाड़ों के मनमोहक दृश्य इस गीत को एक अलग ही एहसास देते हैं।

ये समा, समा है ये प्यार का' सिर्फ एक गीत नहीं, बल्कि हिंदी सिनेमा के स्वर्णिम दौर की पहचान माना जाता है। लता मंगेशकर की दिल को छू लेने वाली गायकी ने इस गीत को हर पीढ़ी तक पहुंचाया। यही वजह है कि शादी-ब्याह, संगीत समारोह और रोमांटिक प्लेलिस्ट में यह गीत आज भी उतनी ही शिद्दत से सुना जाता है।

फिल्म 'जब जब फूल खिले' भी अपने दौर की सुपरहिट फिल्मों में शामिल रही थी। इस फिल्म के अन्य गीत, जैसे 'परदेसियों से न अंखियां मिलाना', भी बेहद लोकप्रिय हुए। लेकिन 'ये समा, समा है ये प्यार का' आज भी उस दौर के सबसे खूबसूरत और सदाबहार रोमांटिक गीतों में शुमार किया जाता है, जिसका जादू समय बीतने के बाद भी बरकरार है।

'रामायण' के ट्रेलर का इंतजार बढ़ा, मेकर्स ने बदला प्लान

यूनिक समय, नई दिल्ली। रणबीर कपूर अभिनीत बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' के ट्रेलर का इंतजार कर रहे प्रशंसकों को फिलहाल थोड़ा और धैर्य रखना होगा। 24 जुलाई को रिलीज होने वाला ट्रेलर अचानक टाल दिया गया है। फिल्म के निर्माता नमित मल्होत्रा ने सोशल मीडिया के जरिए इसकी जानकारी देते हुए बताया कि अब ट्रेलर को केवल भारत में नहीं, बल्कि दुनियाभर में एक साथ भव्य अंदाज में लॉन्च किया जाएगा। दरअसल, सैन डिएगो कॉमिक-कॉन 2026 में फिल्म के विशेष पैनल से ठीक पहले यह घोषणा की गई। इससे पहले उम्मीद थी कि कॉमिक-कॉन में

एक्सक्लूसिव स्क्रीनिंग के बाद ट्रेलर ऑनलाइन जारी कर दिया जाएगा, लेकिन मेकर्स ने अपनी रणनीति बदल दी। नमित मल्होत्रा ने बताया कि फिल्म ने सोनी पिक्चर्स एंटरटेनमेंट के साथ ग्लोबल डिस्ट्रीब्यूशन डील की है। इसी वजह से अब ट्रेलर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक साथ रिलीज करने की तैयारी की

24 जुलाई को रिलीज होने वाला ट्रेलर टला

नई तारीख का इंतजार

जा रही है। निर्माता के अनुसार, यह फैसला भारतीय सिनेमा और भारतीय संस्कृति को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उनका कहना है कि 'रामायण' को किसी बड़ी हॉलीवुड फिल्म की तरह दुनियाभर में प्रस्तुत किया जाएगा, ताकि भारतीय महाकाव्य और इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत अंतरराष्ट्रीय दर्शकों तक प्रभावी ढंग से पहुंच सके।

हालांकि, ट्रेलर की नई रिलीज तारीख का अभी खुलासा नहीं किया गया है। इससे पहले दिल्ली में फिल्म का भव्य ट्रेलर शोकेस आयोजित किया गया था, लेकिन उसे आधिकारिक तौर पर डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जारी नहीं किया गया। ऐसे में अब फैंस को ग्लोबल लॉन्च का इंतजार है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही 'रामायण' में रणबीर कपूर सहित कई बड़े कलाकार नजर आएंगे। मेकर्स का मानना है कि यह फिल्म भारतीय सिनेमा को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने वाली सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक साबित हो सकती है।

गौरव खन्ना संग रिश्ते पर फिर मचा बवाल

रियलिटी शो में आकांक्षा चमोला ने पति गौरव खन्ना की एंट्री पर जताई नाराजगी

यूनिक समय, नई दिल्ली। टीवी इंडस्ट्री के चर्चित कपल आकांक्षा चमोला और गौरव खन्ना एक बार फिर सुर्खियों में हैं। रियलिटी शो 'लॉक अप 2' के ताजा एपिसोड में आकांक्षा ने अपने पति को लेकर ऐसा बयान दिया, जिसने सोशल मीडिया पर नई बहस छेड़ दी। उन्होंने गौरव की एंट्री पर खुशी जताने के बजाय उन्हें "अजनबी" तक कह दिया। उनका यह बयान सामने आते ही फैंस के बीच दोनों के रिश्ते को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

शो में धीरज धूपर की पत्नी विन्नी अरोड़ा की एंट्री के बाद बातचीत के दौरान आकांक्षा ने कहा कि अगर गौरव की जगह उनके माता-पिता या उनका पालतू कुत्ता मिलने आता तो उन्हें ज्यादा सुकून मिलता। उन्होंने कहा कि उस समय उन्हें किसी अपने और भावनात्मक सहारे की जरूरत थी, इसलिए परिवार के किसी सदस्य का आना उनके लिए ज्यादा मायने रखता।

आकांक्षा की यह बात सुनकर शो में मौजूद शिल्पा शिंदे और श्रेया कालरा भी हैरान रह गईं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो पर दर्शक अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कई लोग इसे उनके रिश्ते की सच्चाई बता रहे हैं, जबकि कुछ इसे शो का भावनात्मक पल मान रहे हैं।

इससे पहले भी आकांक्षा 'लॉक अप 2' में खुलासा कर चुकी हैं कि वह और गौरव खन्ना आपसी सहमति से अलग होने का फैसला कर चुके हैं और दोनों के बीच तलाक की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया था कि शादी के कई वर्षों बाद दोनों ने रिश्ते को खत्म करने का कठिन निर्णय लिया। आकांक्षा ने यह भी स्वीकार किया कि परिवार बढ़ाने का मुद्दा उनके रिश्ते में मतभेद की एक वजह था, हालांकि अलग होने के पीछे कई निजी कारण भी शामिल हैं।

आकांक्षा के ताजा बयान के बाद एक बार फिर गौरव खन्ना और उनके रिश्ते को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। हालांकि, गौरव खन्ना की ओर से इस पूरे मामले पर अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

43 की उम्र में कर दिखाया कमाल

भारतीय खिलाड़ी ने वर्ल्ड चैंपियन को हराकर रचा इतिहास

यूनिक समय, नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के अनुभवी लॉन बॉल्स खिलाड़ी पुतुल सोनोवाल ने ऐसा कारनामा कर दिखाया, जिसने खेल जगत को चौंका दिया। असम के 43 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने पहले ही कॉमनवेल्थ गेम्स में मौजूदा वर्ल्ड आउटडोर चैंपियन कनाडा के रयान बेस्टर को हराकर बड़ा उलटफेर किया और अगले दौर में जगह बना ली। इस ऐतिहासिक जीत के साथ पुतुल सोनोवाल पूरे टूर्नामेंट के सबसे चर्चित खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं।

सेक्शन-डी के मुकाबले में पुतुल ने शुरुआत से ही आत्मविश्वास के साथ खेल दिखाया और पहला सेट 5-4 से अपने नाम किया। हालांकि अनुभवी रयान बेस्टर ने दूसरे सेट में शानदार वापसी करते हुए 7-3 से जीत दर्ज कर मुकाबले को टाई-ब्रेकर तक पहुंचा दिया। निर्णायक क्षणों में पुतुल ने संयम और सटीक निशाने का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए टाई-ब्रेकर अपने नाम किया और विश्व चैंपियन को बाहर का रास्ता दिखा दिया। अब अगले दौर में उनका सामना फॉकलैंड आइलैंड्स के सेसिल अलेक्जेंडर से होगा।

इस जीत की अहमियत इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि रयान बेस्टर लॉन बॉल्स के सबसे सफल खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। उनके नाम विश्व चैंपियनशिप में सात पदक दर्ज हैं। इसके अलावा उन्होंने 2023 में पेरिस में सिंगल्स स्पर्धा में स्वर्ण और कांस्य पदक जीते थे, जबकि कॉमनवेल्थ गेम्स में भी वह तीन पदक अपने नाम कर चुके हैं। वर्ष 2025 में उन्हें वर्ल्ड बॉल्स हॉल ऑफ फेम में भी शामिल किया गया था।

असम पुलिस का प्रतिनिधित्व करने वाले पुतुल सोनोवाल ने इसी वर्ष एशियन लॉन बॉल्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था। राष्ट्रीय स्तर पर भी उनके नाम कई पदक दर्ज हैं और अब उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का गौरव बढ़ाया है। भारतीय खेल प्राधिकरण ने भी उनकी ऐतिहासिक जीत पर बधाई देते हुए इसे भारत की सबसे बड़ी लॉन बॉल्स जीतों में से एक बताया। उधर, महिलाओं की लॉन बॉल्स स्पर्धा में भी भारत को शानदार सफलता मिली। रूपा रानी तिर्की और पिंकी सिंह की जोड़ी ने माल्टा की रेबेका लुईस रिक्सन और कॉनी-ले रिक्सन को रोमांचक टाई-ब्रेकर में हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। अब भारतीय महिला टीम का अगला मुकाबला दक्षिण अफ्रीका से होगा। भारत की इन जीतों ने कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक की उम्मीदों को और मजबूत कर दिया है।

आगरा में पीएनबी मैनेजर दंपति से करोड़ों की ठगी

प्लॉट सौदे में फंसे 2.20 करोड़ रुपये

रकम लौटाने से इनकार धमकाने का आरोप

यूनिक समय, आगरा। आगरा में पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के मंडलीय शाखा प्रबंधक दंपति से प्लॉट बेचने के नाम पर 2.20 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर थाना जगदीशपुरा पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिकायत के अनुसार, दंपति ने 305 वर्गमीटर प्लॉट खरीदने के लिए विक्रेता पक्ष को रकम दी थी। प्लॉट को बंधक मुक्त कराने के लिए डिमांड ड्राफ्ट और अन्य भुगतान भी किए गए। आरोप है कि तय तारीख पर बैनामा कराने के लिए विक्रेता पक्ष तहसील नहीं पहुंचा।

पीड़ितों का आरोप है कि रुपये वापस मांगने पर आरोपियों ने इनकार कर दिया और अतिरिक्त एक करोड़ रुपये की मांग की। विरोध करने पर गाली–गलौज और तमंचा दिखाकर धमकाने का भी आरोप लगाया गया है।

वहीं, आगरा पुलिस ने साइबर ठगी के एक अन्य मामले में आरोपी आशीष वशिष्ठ को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने नाम बदलकर लंबे समय तक गिरफ्तारी से बचने की कोशिश की। उस पर करोड़ों रुपये की साइबर ठगी में शामिल होने का आरोप है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

एपीके फाइल से 64 करोड़ ठगी रोहित का नेटवर्क जांचेगी पुलिस

यूनिक समय, कानपुर। एपीके फाइल के जरिए करोड़ों रुपये की साइबर ठगी करने वाले आरोपी रोहित शाक्य का नेटवर्क अब कानपुर पुलिस के रडार पर है। कासगंज निवासी 18 वर्षीय रोहित पर आरोप है कि उसने कानपुर के एक होटल में छिपकर फर्जी बैंकिंग एप की एपीके फाइल तैयार की और साइबर अपराधियों को बेची। सूरत पुलिस ने 11 जुलाई को रोहित को गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया कि उसने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से बैंकिंग एप जैसी फर्जी एपीके फाइलें बनाईं। इन फाइलों को करीब 22 हजार मोबाइलों में इंस्टॉल कराया गया, जिनमें से 2,928 फोन का एक्सेस

कानपुर में छिपकर चला रहा था गिरोह

सीसीटीवी और कॉल डिटेल खंगाल रही पुलिस

लेकर लगभग 64.50 करोड़ रुपये की ठगी की गई। मामले की जानकारी मिलने के बाद कानपुर पुलिस ने जांच तेज कर दी है। पुलिस होटल के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि रोहित कितने समय तक वहां रुका तथा उससे मिलने कौन–कौन लोग आए थे। साथ ही उसके कॉल रिकॉर्ड और साइबर नेटवर्क की भी जांच की जा रही है।

आगरा में छात्र ने लाइसेंसी राइफल से दी जान

इकलौते बेटे की मौत से परिवार सदमे में

पुलिस ने शुरू की घटना की जांच

यूनिक समय, आगरा। आगरा के बाह थाना क्षेत्र की टीचर्स कॉलोनी में 12वीं कक्षा के छात्र ने पिता की लाइसेंसी राइफल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मृतक छात्र आदित्य शर्मा (18) घर का इकलौता बेटा था।

परिजनों के अनुसार, छात्र के पिता गुरुवार देर रात करीब ढाई बजे घर पहुंचे थे। उन्होंने अपनी लाइसेंसी राइफल संदूक पर रख दी थी। शुक्रवार सुबह आदित्य स्कूल नहीं गया और छत पर बने कमरे में चला गया। कुछ देर बाद गोली चलने की आवाज सुनकर परिवार और पड़ोसी मौके पर पहुंचे।

सूचना मिलने पर बाह थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने राइफल कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। परिजनों के अनुसार, आदित्य कुछ वर्ष पहले मानसिक तनाव से गुजरा था, लेकिन इलाज के बाद सामान्य हो गया था। पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

आईसीयू में मरीज की मौत नर्स पर लापरवाही का आरोप

परिजनों ने अस्पताल में किया हंगामा

पुलिस ने खंगाले सीसीटीवी फुटेज

यूनिक समय, अयोध्या। अयोध्या के हासापुर स्थित झुनझुनवाला हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती महिला मरीज की मौत के बाद परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। परिजनों का आरोप है कि ड्यूटी पर तैनात स्टाफ नर्स सो रही थी, जिसके कारण समय पर मरीज की हालत का पता नहीं चल सका।

मृतका चंद्रावती का 22 जुलाई को अस्पताल में हार्ट ऑपरेशन हुआ था। इसके बाद उन्हें आईसीयू में रखा गया था। परिजनों के अनुसार, रात में आईसीयू में किसी को रहने की अनुमति नहीं थी। मरीज की बेटी ने बताया कि देर रात जब वह अंदर जाने पहुंची तो मौजूद नर्स ने उसे बाहर कर दिया और बाद में वार्ड में अंधेरा कर सो गई। सुबह करीब चार बजे मरीज में कोई हलचल नहीं दिखी तो परिजनों को शक हुआ। जांच में पता चला कि उनकी मौत रात करीब 1:35 बजे हो चुकी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और मामले की जांच शुरू कर दी है।

आवासीय मकानों में कारोबार पर एलडीए सख्त, शुरू जांच

यूनिक समय, लखनऊ। अलीगंज अग्निकांड के बाद लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने आवासीय संपत्तियों के व्यावसायिक उपयोग के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। शहर में ऐसे भवनों की गोपनीय जांच शुरू कर दी गई है, जहां आवासीय मानचित्र के बावजूद होटल, शोरूम, अस्पताल और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही हैं। एलडीए ने योजनावार अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की है। जांच में यह देखा जा रहा है कि भवनों में फायर सेफ्टी इंतजाम, पार्किंग व्यवस्था और निर्माण मानकों का पालन किया गया है या नहीं।

अधिकारियों के अनुसार, जिन

अवैध व्यावसायिक उपयोग पर होगी कार्रवाई

फायर सुरक्षा मानकों की भी होगी जांच

भवनों में नियमों का उल्लंघन मिला, उनके खिलाफ सीलिंग और ध्वस्तीकरण जैसी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, जो भवन आवश्यक सुधार कर लेंगे और मानकों के अनुरूप शमन मानचित्र पास करा लेंगे, उन्हें राहत मिल सकती है।

एलडीए का उद्देश्य भविष्य में अलीगंज जैसी घटनाओं को रोकना और आवासीय क्षेत्रों में अवैध व्यावसायिक गतिविधियों पर नियंत्रण करना है।

सांसद सतीश गौतम को कोर्ट का नोटिस जारी

यूनिक समय, अलीगढ़। अलीगढ़ से भाजपा सांसद सतीश गौतम की मुश्किलें बढ़ गई हैं। एमपी–एमएलए मामलों की विशेष अदालत ने शैक्षिक योग्यता संबंधी जानकारी छिपाने के आरोपों पर उन्हें नोटिस जारी किया है। अदालत ने सांसद से 27 जुलाई तक अपना पक्ष और आपत्ति दाखिल करने को कहा है। यह मामला लोकसभा चुनाव 2024 के नामांकन पत्र से जुड़ा है।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि नामांकन के दौरान शैक्षिक योग्यता का पूरा विवरण स्पष्ट रूप से प्रस्तुत नहीं किया गया। अदालत ने मामले को सुनवाई योग्य मानते हुए नोटिस जारी किया है।

अगली सुनवाई 27 जुलाई को होगी। सांसद सतीश गौतम ने इस मामले पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

राममंदिर ट्रस्ट महासचिव चयन पर नहीं बन सकी सहमति

यूनिक समय, अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव पद को लेकर संघ और विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के बीच सहमति नहीं बन पाई है। ट्रस्ट की बैठक में इस महत्वपूर्ण पद के लिए अलग–अलग नाम सामने आने के बाद फैसला टाल दिया गया।

सूत्रों के अनुसार, संघ की ओर से कार्यवाहक महासचिव कृष्ण मोहन के नाम को आगे बढ़ाया गया, जबकि विहिप की पसंद बजरंग लाल बागड़ा बताए जा रहे हैं। कुछ ट्रस्ट सदस्यों का मानना है कि मंदिर आंदोलन में विहिप की भूमिका को देखते हुए महासचिव पद उसी से जुड़े व्यक्ति को मिलना चाहिए।

अयोध्या के सरयू अतिथि गृह में हुई ट्रस्ट की बैठक में महासचिव सहित खाली पदों पर चर्चा हुई। दो सदस्य पदों के लिए भी आम सहमति नहीं बन सकी। इन पदों के लिए यतिंद्र मोहन मिश्र, संत राघवाचार्य और मिथिलेश नंदिनी शरण के नाम सामने आए।

ट्रस्ट के कुछ सदस्य साहित्यकार यतिंद्र मिश्र के पक्ष में हैं, जबकि कुछ अन्य मिथिलेश नंदिनी शरण को उपयुक्त मान रहे हैं। नामों पर सहमति

संघ और विहिप की पसंद अलग–अलग

खाली पदों पर भी अटके फैसले

नहीं बनने के कारण घोषणा को आगे बढ़ा दिया गया है।

सूत्रों के मुताबिक, अब 2 सितंबर को होने वाली ट्रस्ट की बैठक में अंतिम निर्णय लिया जा सकता है। तब तक सभी नामों पर सहमति बनाने की कोशिश जारी रहेगी। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने भी संकेत दिया है कि खाली पदों को जल्द भरा जाएगा।

पेपर लीक विरोध में यूपी में सड़कों पर उतरे छात्र

यूनिक समय, लखनऊ। पेपर लीक मामले और परीक्षा सुधारों की मांग को लेकर उत्तर प्रदेश में शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन तेज हो गया। कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थन में छात्र, वकील और राजनीतिक कार्यकर्ता कई जिलों में सड़कों पर उतरे।

प्रयागराज में वकीलों ने छात्रों के समर्थन में जुलूस निकाला। उन्होंने कहा कि जिन छात्रों पर कार्रवाई हुई है, वे देश का भविष्य हैं और उनकी आवाज उठाना जरूरी है। वहीं, मेरठ में समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की प्रतीकात्मक अर्थी निकालकर विरोध दर्ज कराया। पुलिस ने अर्थी को अपने कब्जे में ले लिया।

कानपुर में सपा विधायक ने ढपली बजाकर प्रदर्शन किया, जबकि लखीमपुर में छात्र तिरंगा और पोस्टर लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। छात्रों ने एसडीएम को गुलाब के फूल देकर शांतिपूर्ण तरीके से विरोध जताया।

प्रदर्शनों को देखते हुए प्रदेशभर में पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है। मुजफ्फरनगर में किसान नेता राकेश

छात्रों के समर्थन में वकीलऔर राजनीतिक कार्यकर्ता

पुलिस अलर्ट, नेताओं ने साधा निशाना

टिकैत ने कहा कि छात्रों का आंदोलन रोजगार और निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था की मांग को लेकर है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेताओं ने भी सरकार पर निशाना साधते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग दोहराई।

नेताओं का कहना है कि पेपर लीक जैसे मामलों में जवाबदेही तय होनी चाहिए। वहीं, सरकार की ओर से पेपर लीक रोकने के लिए सख्त कानून लाने की तैयारी की जा रही है।

प्रस्तावित कानून में कड़ी सजा और तेज न्याय प्रक्रिया का प्रावधान रखा जा सकता है। प्रदेश में विरोध प्रदर्शन के बीच प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

ट्यूबवेल पर सो रहे पूर्व प्रधान की ईंटों से हत्या

यूनिक समय, बलिया । बलिया के सहतवार थाना क्षेत्र के उदहा गांव में पूर्व प्रधान की निर्मम हत्या से सनसनी फैल गई। अज्ञात बदमाशों ने ट्यूबवेल पर सो रहे पूर्व प्रधान राम व्यास वर्मा की ईंट–पत्थरों से कुचलकर हत्या कर दी।

परिजनों के अनुसार, राम व्यास वर्मा रोज की तरह रात में खाना खाने के बाद घर से करीब 400 मीटर दूर स्थित ट्यूबवेल पर सोने गए थे। सुबह जब वह घर नहीं लौटे तो परिवार और ग्रामीणों ने मौके पर जाकर देखा। वहां उनका खून से लथपथ शव मिला।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में

बलिया में वारदात से मचा हड़कंप

पुलिस ने शुरू की मामले की जांच

लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, मृतक के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान मिले हैं। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और हत्या के कारणों का पता लगाने के लिए साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। वारदात के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है।

पेपर लीक रोकने को सरकार बनाएगी सख्त कानून

तीन महीने में फैसला, 10 साल की सजा, 10 करोड़ का जुर्माना

छात्रों को पीएम ने दिया भरोसा

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश में प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की बढ़ती घटनाओं को रोकने के लिए केंद्र सरकार बड़ा कदम उठाने की तैयारी में है। सूत्रों के अनुसार, पेपर लीक मामलों के लिए प्रस्तावित नए कानून में कई कड़े प्रावधान शामिल किए गए हैं। इसके तहत ऐसे मामलों की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में होगी और तीन महीने के भीतर फैसला सुनाने का प्रावधान रखा गया है।

प्रस्तावित कानून में पेपर लीक के दोषियों के लिए 10 साल तक की जेल और 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया जा सकता है। सरकार का उद्देश्य परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ाना और छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों पर सख्त कार्रवाई करना है।

नीट पेपर लीक विवाद के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छात्रों को भरोसा दिलाया है कि सरकार इस समस्या को गंभीरता से ले रही है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक जैसी घटनाओं को रोकने के लिए कठोर कानून लाया जाएगा। कैबिनेट बैठक में इस कानून के प्रस्ताव पर चर्चा की गई है और मंजूरी मिलने के बाद इसे संसद में पेश करने की तैयारी है।

सरकार की ओर से यह भी कहा गया है कि शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग रखने वाले छात्रों के हितों का ध्यान रखा जाएगा। पेपर लीक के खिलाफ आंदोलन कर रहे सोनम वांगचुक ने सरकार के आश्वासन के बाद अपना अनशन समाप्त कर दिया है।

नए कानून के जरिए परीक्षा माफिया और संगठित गिरोहों पर शिकंजा कसने की तैयारी है। सरकार का मानना है कि कड़े दंड और समयबद्ध न्याय प्रक्रिया से पेपर लीक की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सकेगी। इस कानून से लाखों छात्रों में निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था को लेकर भरोसा मजबूत होने की उम्मीद है।

केजरीवाल ने फास्ट ट्रैक कोर्ट ऐलान पर उठाए सवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। सोनम वांगचुक के 26 दिन बाद अनशन खत्म करने के फैसले का आम आदमी पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि वांगचुक का स्वास्थ्य और जीवन देश के लिए महत्वपूर्ण है।

वहीं, केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पेपर लीक मामलों में फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने के ऐलान पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर कहा कि अगर जांच एजेंसियां आरोपियों के खिलाफ सबूत पेश नहीं कर पाएंगी तो फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का क्या मतलब है। केजरीवाल ने सरकार की मंशा पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि पेपर लीक जैसे गंभीर मुद्दे पर ठोस कार्रवाई जरूरी है। उन्होंने सोनम वांगचुक के समर्थन में आयोजित विरोध प्रदर्शन में लोगों से शामिल होने की अपील की।

सोनम वांगचुक ने खत्म की 27 दिन की भूख हड़ताल

लिखित आश्वासन मिलने के बाद खत्म हुआ अनशन

छात्रों की सुरक्षा को बताया सबसे अहम

यूनिक समय, नई दिल्ली। नीट पेपर लीक और परीक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर 27 दिनों से भूख हड़ताल कर रहे सोनम वांगचुक ने अपना अनशन समाप्त कर दिया है। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह गुरुवार देर रात मेदांता अस्पताल पहुंचे, जहां नड्डा ने जूस पिलाकर उनका अनशन तुड़वाया। वांगचुक ने बताया कि सरकार के साथ दो दिनों तक चली बातचीत के बाद उनकी तीन प्रमुख मांगों पर लिखित आश्वासन मिला है। इनमें प्रदर्शनकारी छात्रों पर कार्रवाई नहीं करना, पेपर लीक और परीक्षा प्रणाली में जवाबदेही तय करने के लिए संसद में चर्चा कराना और प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा देना शामिल है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर कोई आश्वासन नहीं मिला, लेकिन छात्रों की सुरक्षा उनके लिए सबसे अहम मुद्दा था। वांगचुक ने कहा कि आगे की लड़ाई जारी रखने के लिए उन्होंने अनशन खत्म करने का फैसला लिया।

छात्र प्रदर्शन मामले में सीजेआई की सख्त टिप्पणी

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली में छात्रों के प्रदर्शन से जुड़े मामले पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने शुक्रवार को अहम टिप्पणी की। सीजेआई ने बिना याचिका दाखिल किए सीधे अदालत में मामला उठाने और अधूरी जानकारी के आधार पर खबर चलाने पर नाराजगी जताई।

सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि उनके सामने इस मामले से जुड़ी एक पन्ने की भी याचिका मौजूद नहीं थी। उन्होंने बताया कि एक वकील अचानक खड़े होकर मामला उठाने लगे, जिस पर अदालत ने उचित प्रक्रिया अपनाने की बात कही थी। सीजेआई ने कहा कि बिना याचिका के अदालत से सुनवाई की उम्मीद करना सही तरीका नहीं है।

उन्होंने मीडिया से भी अपील की कि किसी भी मामले की पूरी जानकारी लेकर ही रिपोर्टिंग की जानी चाहिए, ताकि लोगों तक सही तथ्य पहुंच सकें। वहीं, नीट यूजी पेपर लीक मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि गलतियों का सिलसिला खत्म होना चाहिए। कोर्ट ने मामले की जांच की निगरानी करने की बात कही और परीक्षा प्रणाली की सुरक्षा को लेकर सवाल उठाए। अगली सुनवाई 3 अगस्त को होगी।

सरकार और सीजेपी वार्ता में बनी सहमति की उम्मीद

दो मांगों पर मिला सकारात्मक संकेत

शिक्षा मंत्री इस्तीफे पर फैसला बाकी

यूनिक समय, नई दिल्ली। पेपर लीक और परीक्षा सुधारों को लेकर जंतर–मंतर पर जारी प्रदर्शन के बीच शुक्रवार को सरकार और सीजेपी नेताओं के बीच अहम बातचीत हुई। बैठक में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह ने प्रदर्शनकारियों के प्रतिनिधियों से चर्चा की।

करीब दो घंटे चली बैठक में सीजेपी ने अपनी प्रमुख मांगें सरकार के सामने रखीं। संगठन के प्रतिनिधियों के अनुसार, छात्रों पर दर्ज मामलों को वापस लेने और पेपर लीक से प्रभावित परिवारों को मुआवजा देने की मांग पर सरकार ने सकारात्मक रुख दिखाया है। बैठक के बाद सीजेपी नेताओं ने कहा कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर सरकार ने जवाब के लिए समय मांगा है। संगठन का कहना है कि इस मुद्दे पर अंतिम निर्णय का इंतजार है। वहीं, सरकार पेपर लीक रोकने के लिए नए सख्त कानून की तैयारी कर रही है। प्रस्तावित कानून में तेज सुनवाई और कड़े दंड का प्रावधान शामिल होने की संभावना है।

नीट पेपर लीक विवाद पर संसद में फिर मचा घमासान

विपक्ष ने सरकार पर साधा निशाना

राज्यसभा में वंदे मातरम् बिल पेश

यूनिक समय, नई दिल्ली। नीट पेपर लीक विवाद को लेकर संसद का मानसून सत्र लगातार हंगामे की भेंट चढ़ रहा है। शुक्रवार को भी लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष ने परीक्षा व्यवस्था और छात्रों के मुद्दों को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। विपक्ष ने प्रधानमंत्री से संसद में बयान देने और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग दोहराई।

सरकार की ओर से कहा गया कि पेपर लीक रोकने के लिए सख्त कानून लाने की तैयारी चल रही है। प्रस्तावित कानून में दोषियों पर कड़ी कार्रवाई और तेज न्याय प्रक्रिया का प्रावधान किया जा रहा है। हंगामे के बीच राज्यसभा में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने वंदे मातरम् बिल पेश किया। वहीं, पेपर लीक बिल को लेकर मोदी कैबिनेट की बैठक में चर्चा जारी रही।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश के बाद सोनम वांगचुक ने 26 दिन पुराना अनशन समाप्त कर दिया। सरकार ने छात्रों की मांगों पर विचार करने और शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई नहीं करने का भरोसा दिया है। संसद की कार्यवाही अब सोमवार तक स्थगित कर दी गई है।

पीएम मोदी पर अपमानजनक पोस्ट मामले में वेंडर गिरफ्तार

सोशल मीडिया पोस्ट पर पुलिस कार्रवाई

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित अपमानजनक पोस्ट करने के मामले में बेंगलुरु पुलिस ने एक स्ट्रीट फूड वेंडर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान हडसन के रूप में हुई है, जो कम्मनह ल्ली इलाके में फूड स्टॉल चलाता है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए पोस्ट किया था। इस मामले में भाजपा नेता की शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं में कार्रवाई की गई है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

फर्जी पोस्ट से छात्रों को भड़काने की कोशिश!

पुलिस ने की 480 से ज्यादा पाकिस्तानी अकाउंट्स की पहचान

अफवाहों से बचने की पुलिस अपील

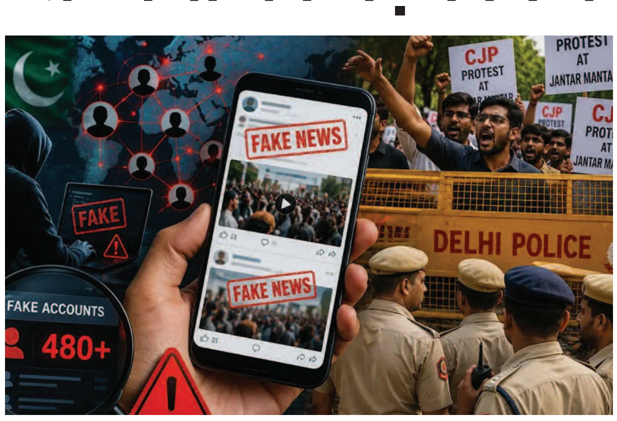

यूनिक समय, नई दिल्ली। जंतर–मंतर पर चल रहे विरोध प्रदर्शन के बीच दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया पर फैल रही कथित भ्रामक सूचनाओं को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। पुलिस का दावा है कि कुछ सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए फर्जी पोस्ट, एडिट किए गए वीडियो और गलत जानकारी साझा कर लोगों को भ्रमित करने की कोशिश की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अब तक 480 से ज्यादा ऐसे सोशल मीडिया हैंडल की पहचान की गई है, जिन पर भ्रामक सामग्री फैलाने का आरोप है। पुलिस का कहना है कि इन अकाउंट्स की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है और संबंधित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से इन्हें हटाने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

दिल्ली पुलिस ने छात्रों और आम लोगों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर आने वाली किसी भी जानकारी को बिना जांचे आगे न बढ़ाएं। अधिकारियों ने कहा कि कई बार पुराने या एडिट किए गए वीडियो को नए घटनाक्रम से जोड़कर भ्रम फैलाया जाता है, जिससे तनाव की स्थिति बन सकती है। पुलिस ने लोगों को सलाह दी है कि किसी भी पोस्ट, वीडियो या दावे की सत्यता की जांच जरूर करें। अज्ञात सोशल मीडिया अकाउंट्स से आने वाली सामग्री को लेकर विशेष सावधानी बरतने को कहा गया है। दिल्ली पुलिस ने स्पष्ट किया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना नागरिकों का अधिकार है और इसका सम्मान किया जाता है। हालांकि, पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से कानून–व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी तरह की हिंसा या भड़काऊ गतिविधि से बचने की अपील की है।

पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया पर गलत सूचनाओं को रोकना जरूरी है, ताकि किसी भी स्थिति में शांति और सौहार्द बना रहे। अधिकारियों ने लोगों से जिम्मेदारी के साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करने की अपील की है।

नीट पेपर लीक आरोपी की जमानत याचिका खारिज

यूनिक समय, नई दिल्ली। नीट–यूजी– 2026 पेपर लीक मामले में आरोपी डॉ. मनोज शिरूरे को अदालत से राहत नहीं मिली है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी है। सीबीआई के अनुसार, डॉ. शिरूरे पर आरोप है कि उन्होंने तीन छात्रों को केमिस्ट्री के प्रश्न उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाई थी। जांच एजेंसी ने मामले में उनकी भूमिका को गंभीर बताया है। आरोप है कि उन्होंने आरोपी पीवी कुलकर्णी के साथ मिलकर प्रश्न उपलब्ध कराने में मदद की। नीट–यूजी 2026 परीक्षा में पेपर लीक और अनियमितताओं के आरोपों के बाद नीट ने परीक्षा रद्द कर दी थी। इसके बाद 21 जून को दोबारा परीक्षा आयोजित की गई।

गुरु पूर्णिमा मेले को लेकर रेलवे अलर्ट, व्यवस्थाएं सुदृढ़

डीआरएम ने मथुरा जंक्शन का किया निरीक्षण

स्वच्छता और यात्री सुविधाओं पर विशेष जोर

यूनिक समय, मथुरा। गुरु पूर्णिमा राजकीय मेले के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए उत्तर मध्य रेलवे ने मथुरा जंक्शन पर व्यापक तैयारियां की हैं। इन व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए आगरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) गगन गोयल ने शुक्रवार को मथुरा जंक्शन का निरीक्षण किया। उन्होंने रेलवे अधिकारियों के साथ स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, यात्री प्रतीक्षालय, टिकट काउंटर, पेयजल, स्वच्छता और सुरक्षा व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेले के दौरान किसी भी यात्री को असुविधा नहीं होनी चाहिए। स्टेशन परिसर में साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, शौचालयों की नियमित सफाई और भीड़ प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है। डीआरएम ने चेतावनी दी कि यदि स्वच्छता, यात्री सुविधाओं या सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की कमी अथवा लापरवाही पाई गई तो संबंधित अधिकारी और कर्मचारी के विरुद्ध तत्काल विभागीय कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और 24 घंटे निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए। रेलवे प्रशासन का कहना है कि गुरु पूर्णिमा मेले के दौरान बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती, सतत मॉनिटरिंग और त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिल सके।

मुड़िया मेले की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जीआरपी ने की तैयारी

यूनिक समय, मथुरा। मुड़िया पूर्णिमा मेले के दौरान रेलवे स्टेशनों एवं रेल मार्गों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए शुक्रवार को जीआरपी द्वारा ब्रीफिंग की गई। ब्रीफिंग में जीआरपी पुलिस अधीक्षक (एसपी), दो क्षेत्राधिकारी (सीओ), थाना प्रभारी जीआरपी और अन्य पुलिस अधिकारी एवं जवान मौजूद रहे। जीआरपी एसपी ने अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को मेले के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुड़िया पूर्णिमा मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी। रेलवे स्टेशनों, प्लेटफॉर्मों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा।

उन्होंने निर्देश दिए कि संदिग्ध व्यक्तियों और गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जाए, भीड़ प्रबंधन को प्राथमिकता दी जाए, यात्रियों की हर संभव सहायता की जाए। साथ ही रेलवे परिसर में लगातार गश्त और निगरानी रखकर सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह मजबूत बनाया जाएगा।

नगर आयुक्त ने प्रस्तावित आरसीसी नाला एलाइनमेंट का किया निरीक्षण

नगर आयुक्त ओजस्वी राज निर्माण कार्य योजना का निरीक्षण करते हुए।

यूनिक समय, मथुरा। शहर को जलभराव की समस्या से राहत दिलाने के लिए अर्बन फ्लड एवं स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज योजना के तहत प्रस्तावित आरसीसी नाले के एलाइनमेंट का नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को तकनीकी पहलुओं की गहन जांच कर प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। वाटर ड्रेनेज योजना के अंतर्गत चंदनवन से शक्ति द्वार, धरना स्थल होते हुए लक्ष्मी नगर स्थित एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) के लिए बने आईपीएस (इंटरमीडिएट पंप स्टेशन) तक जल निकासी व्यवस्था को अधिक मजबूत और योजना पर कार्य किया जा रहा है। वहीं प्रस्तावित आरसीसी नाले के एलाइनमेंट के संरक्षण को लेकर नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। नगर आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नाले के निर्माण से पहले सभी तकनीकी बिंदुओं का गंभीरता से परीक्षण किया जाए और ऐसी कार्ययोजना तैयार की जाए, जिससे बरसात के दौरान शहर में जलभराव की समस्या कम हो सके।

देवशयनी एकादशी पर द्वारकाधीश मंदिर में सजेगा राजदरबार और फूल बंगला

यूनिक समय, मथुरा। देवशयनी एकादशी पर 25 जुलाई को पुष्टिमार्गीय संप्रदाय के प्रसिद्ध ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में भव्य राजदरबार मनोरथ और मनमोहक फूल बंगला सजाया जाएगा। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को भगवान द्वारकाधीश के विशेष दर्शन का सौभाग्य प्राप्त होगा।

मंदिर के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि मंदिर के गोस्वामी डॉ. वागीश कुमार की आज्ञा और निर्देशन में सभी धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में देवशयनी एकादशी पर भगवान का आकर्षक राजदरबार- भव्य फूल बंगला सजाया जाएगा। यह मनोरथ सायंकाल 6:30 बजे से रात्रि आठ बजे तक आयोजित होगा।

उन्होंने बताया कि इस विशेष आयोजन के मनोरथी श्री माथुर चतुर्वेद परिषद-

भागवत कथा श्रवण से मिलता है मोक्ष

यूनिक समय, छाता। क्षेत्र के ऐलवाड़ा गांव में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में भागवताचार्य पंडित गोविंद शरण शास्त्री ने कहा कि श्रद्धा और भक्ति के साथ भागवत कथा का श्रवण करने से मनुष्य को आध्यात्मिक शांति और मोक्ष की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि महापुराण केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को सही दिशा देने वाला दिव्य ज्ञान का स्रोत है।

कथा के दौरान पंडित गोविंद शरण शास्त्री ने भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य चरित्र, उनके 24 अवतारों और विभिन्न लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भागवत कथा मनुष्य को अज्ञान, अहंकार और मोह-माया से मुक्त कर प्रभु भक्ति के मार्ग पर अग्रसर करती है।

इस अवसर पर मोहन सिंह डॉक्टर ने बताया कि महापुराण में लगभग 18 हजार श्लोक हैं, जिनमें धर्म, ज्ञान और भक्ति का अद्भुत समन्वय मिलता है। कुमारचंद ने राजा परीक्षित के उद्धार और ऋषि शुकदेव द्वारा सात दिनों में कथा श्रवण के माध्यम से मोक्ष प्राप्ति का प्रसंग सुनाया। धुंधकारी की मुक्ति का उदाहरण देते हुए बताया गया कि सच्चे मन से भागवत श्रवण करने पर पापी से पापी व्यक्ति भी आध्यात्मिक उत्थान प्राप्त कर सकता है। कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने समाज में धर्म, सदाचार और मानवता के संदेश को अपनाने का संकल्प लिया।

बंदरों की कारस्तानी, आमदनी का जरिया

यूनिक समय, वृंदावन। बांकेबिहारी मंदिर समेत अन्य क्षेत्रों से मोबाइल, चश्मा, पर्स, बैग समेत अन्य सामान बंदरों से छुड़ाना कुछ लोगों के लिए आमदनी का जरिया बन गया है। वह एक दिन में एक से दो हजार रुपये की आमदनी कर घर लौटते हैं।

रोजाना दर्जनों श्रद्धालुओं की आंखों से मोबाइल, चश्मा, पर्स, बैग आदि सामान को बंदर लेकर छतों पर भाग जाते हैं। बाहर से आना वाला श्रद्धालु अवाक सा रह जाता है। सामान को छुड़ाने के लिए हर क्षेत्र में युवक सक्रिय रहते हैं। वह मदद के नाम पर श्रद्धालुओं से कहते है कि वह सामान को बंदर से वापस दिला सकते हैं, उनको क्या मिलेगा। यही सौदेबाजी होती है। पहले तो दो चार फ्रूटी मंगाई जाती है। युवक अपने स्टाइल से उसके बंदर तक पहुंचाते हैं। फ्रूटी लेकर बंदर मोबाइल, चश्मा समेत अन्य सामान बड़े इत्मीनान से छोड़ देता है। अब युवक छतों पर चढ़ते हुए सामान उठाकर लाता है और मालिकों को सौंपता है। लगता है कि युवक ने बड़ी मेहनत की है। वह किसी से सौ रुपये, किसी दो सौ रुपये मेहनताना वसूल करता है। कई श्रद्धालुओं के रुपयों से भरे बैग को लेकर परेशानी होती है, जब बैग की चैन खोलकर छत से रुपये बरसाता है तो श्रद्धालुओं की धड़कन बढ़ जाती है। रुपये के कारण किसी-किसी श्रद्धालु को पांच सौ रुपये भी देने पड़ते हैं। बताते चलें कि मंदिरों के आसपास की गलियों में बंदरों का आतंक इतना अधिक हो गया है कि लोग डरे सहमे से लगते हैं।

मंदिर में हुई देवों की प्राण-प्रतिष्ठा

गोपेश्वर नाथ महादेव मित्र मंडली निकाली गई शिव परिवार और हनुमान मूर्ति की शोभायात्रा

गोपेश्वर नाथ महादेव की सेवा करने से मिलता है केदारनाथ ज्योतिर्लिंग का फल

यूनिक समय, मथुरा। गोपेश्वर नाथ महादेव मित्र मंडली ने बीएसए कालेज स्थित कृष्णा विहार पार्क में शिव-परिवार और हनुमान प्रतिमा की स्थापना कराई। ढोल- नगाड़े के साथ निकली शोभायात्रा में सभी कॉलोनीवासियों शामिल हुए। मीडिया प्रभारी विकास खत्री ने बताया कि सभी कॉलोनीवासियों की इच्छा थी कि सभी के सहयोग से यहां मंदिर हो। इसी उद्देश्य को पूरा करते हुए शुक्रवार को शिव परिवार और हनुमान जी की मूर्ति स्थापित की गई। समाजसेवी ललित खत्री ने बताया कि कलयुग में पूजा करते रहने से बाबा भोलेनाथ की कृपा बनी रहती है। समाजसेवी बोबी पहलवान ने बताया कि सभी कॉलोनीवासियों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है पवन पांडेय ने बताया कि एकादशी पर महिला श्रद्धालु भजन-कीर्तन कर अपना जीवन धन्य बनाएंगी। प्रशान्त चौधरी ने कहा कि सावन का महीना भोलेनाथ को अति प्रिय है। प्रतिमा स्थापना से पहले पांच पंडितों ने पूजा कराई, आरती के बाद प्रसाद बांटा गया। इस अवसर पर मन्दिर सेवक बंटी खत्री, युवराज चौधरी, गौरव चौधरी, आकाश चौरसिया, कमलेश चौरसिया, प्रमोद कुमार, अमरसिंह, हरिओम, मिंटू गोला, वंशी सिंह, राहुल पंडित, विष्णु शर्मा, गोपाल, सीमा पांडेय, गुड्डी चौधरी, सरला चौधरी, वेधवीर चौधरी, पुनम राठौर, सुनील गौतम आदि श्रद्धालु मौजूद रहे।

अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, प्रशासन सख्त

यूनिक समय, मथुरा। राजकीय मुड़िया पूर्णिमा मेले के दूसरे दिन भी श्रद्धालुओं की सुविधा और सुचारु यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए नगर निगम का अतिक्रमण हटाओ अभियान पूरी रफ्तार से जारी रहा। मंडी चौराहे से सौंख-गोवर्धन मार्ग तक सड़क किनारे किए गए अस्थायी और अवैध अतिक्रमणों को हटाने के लिए नगर निगम और पुलिस प्रशासन ने संयुक्त कार्रवाई की। अभियान के दौरान जेसीबी मशीनों की मदद से अवैध ठेले, टीन-शेड, अस्थायी दुकानें और अन्य अवरोध हटाए गए, जिससे मार्गों को पूरी तरह साफ कराया जा सके।

अतिक्रमण को लेकर व्यापारी को समझाते हुए नगर निगम के अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह।

कार्रवाई शुरू होते ही अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया। कई लोगों ने प्रशासन की कार्रवाई से पहले ही अपना सामान समेटना शुरू कर दिया, जबकि जिन स्थानों पर अतिक्रमण नहीं हटाया गया था, वहां निगम की टीम ने मशीनों के जरिए अवैध कब्जे हटा दिए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मेले के दौरान किसी भी हाल में सड़क और परिक्रमा मार्ग पर अवरोध नहीं रहने दिया जाएगा।

अभियान के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) स्नेहा लता और नगर निगम के अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह ने मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने कहा कि मुड़िया पूर्णिमा मेले में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु गोवर्धन परिक्रमा के लिए पहुंच रहे हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन और आपातकालीन सेवाओं के निर्बाध संचालन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दोबारा किसी ने सड़क या सार्वजनिक स्थान पर अवैध अतिक्रमण किया तो उसके खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, पूरे मेला क्षेत्र में विशेष निगरानी टीमों को तैनात किया गया है। जहां भी अवैध कब्जे या अस्थायी अतिक्रमण की सूचना मिल रही है, वहां तत्काल कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन का उद्देश्य श्रद्धालुओं को बिना किसी बाधा के परिक्रमा और दर्शन की सुविधा उपलब्ध कराना है।

प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि मुड़िया पूर्णिमा मेला समाप्त होने तक अतिक्रमण हटाने का अभियान लगातार जारी रहेगा। अधिकारियों ने स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सार्वजनिक मार्गों पर अतिक्रमण न करें, ताकि लाखों श्रद्धालुओं को सुरक्षित, व्यवस्थित और सुगम यात्रा का अनुभव मिल सके।

घर में घुसकर महिला से दुष्कर्म, मुकदमा दर्ज

यूनिक समय, मथुरा। थाना मांट क्षेत्र के एक गांव में महिला के साथ कथित दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने नामजद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी तहरीर में महिला ने आरोप लगाया कि 18 जुलाई की दोपहर वह घर में अकेली थी। इसी दौरान गांव का एक युवक छत के रास्ते घर में घुस आया और उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी। महिला का यह भी आरोप है कि आरोपी ने उसका आपत्तिजनक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर लंबे समय से ब्लैकमेल किया, जिसके कारण वह लोकलाज के डर से चुप रही। थाना प्रभारी निरीक्षक उमेश कुमार ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की तलाश की जा रही है तथा नियमानुसार चिकित्सीय परीक्षण और अन्य साक्ष्य जुटाकर मामले की जांच की जा रही है।